मुख्यमंत्री ने पांच वर्षों की उपलब्धियों.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 144 | गाजियाबाद / गुरूवार 27 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

टॉक्सिक के किरदार नदिया को... 11

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

● इनमें 5 महिलाएं, 12 घायल, ट्रक में रखे लोहे के पिलर बस में घुसे

सूर्यापेट (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी।

हादसा सुबह करीब 5.15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई। हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस की टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर

● नांदेड साहिब हमले के 12 दिन बाद फिर मैदान में उतरे सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर बादल और सामने बड़ी संख्या में समर्थक। नांदेड साहिब के गुरुद्वारे में हुए हमले के 12 दिन बाद शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल एक बार फिर सार्वजनिक तौर पर मैदान में नजर आए। मंगलवार को उन्होंने तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब में मत्था टेका और पंजाब की शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि के लिए अरदास

की। इस दौरान उन्होंने कुछ ताकतों पर पंजाब की शांति भंग करने और सिख नेतृत्व को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तख्त दमदमा साहिब पहुंचने के दौरान सुखबीर बादल के साथ उनकी पत्नी और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंडर और दलजीत सिंह चीमा भी मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में अकाली दल के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी तख्त साहिब में जुटे। सुखबीर के हाथ पर अभी भी प्लास्टर बंधा हुआ था, लेकिन इसके बावजूद वह कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और उनका अभिवादन स्वीकार किया। सुखबीर बादल ने अपनी सुरक्षा के लिए ईश्वर का आभार जताते हुए कहा कि वह करीब 10 दिनों तक सार्वजनिक गतिविधियों से दूर रहे।

100 साल पूरे होने के मौके पर आरएसएस के बड़े आयोजन

भागवत अमेरिका में, 29 को मेडिसन स्क्वेयर में कार्यक्रम

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले-संघ की रैली को समर्थन नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके 17 दिन के तीन देशों के दौरे का पहला पड़ाव है। न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर भारतीय महिलाओं ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भागवत का यह दौरा आरएसएस के शताब्दी वर्ष के ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम के तहत हो रहा है। आरएसएस के 100 साल पूरे होने के मौके पर देश-विदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अमेरिका के बाद भागवत कनाडा और ब्रिटेन जाएंगे। संघ के मुताबिक, इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस' कार्यक्रम में शामिल होंगे। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत के दौरे को लेकर कहा कि मैं संघ के कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता। बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं।

अमेरिकी आयोग ने संघ पर बैन की मांग की थी

भागवत के अमेरिका दौरे से पहले अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने आरएसएस पर बैन लगाने की मांग की है। आयोग ने 19 अगस्त को अमेरिकी सरकार से संघ नेताओं को हाई लेवल राजनयिक सुविधाएं नहीं देने और उनसे आधिकारिक मुलाकात नहीं करने की अपील भी की। भारत ने आयोग की इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 20 अगस्त को आयोग को 'पक्षपाती संस्था' बताया था।

मेडिसन स्क्वायर में भारतीयों को संबोधित करेंगे भागवत

मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में भागवत का संबोधन भी होगा। यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। अलग-अलग धर्मों और समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। भागवत के कार्यक्रम से पहले न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह संघ की इस रैली का समर्थन नहीं करते। जब ममदानी से पूछा गया कि क्या संघ का कार्यक्रम रद्द किया जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार शहर के पास है या नहीं। ममदानी ने कहा- मैं न्यूयॉर्क का पहला भारतीय-अमेरिकी मेयर हूं।

भारत ने तैयार किया वाहक 6 मल्टी ड्रोन मदरशिप सिस्टम

बिना जीपीएस करेगा हमला, सर्च-डिटेक्ट से डिस्ट्रॉय तक सेना की मदद करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए स्वदेशी 'वाहक-6' मल्टी-ड्रोन मदरशिप प्रणाली विकसित की गई है। निजी कंपनी एंड्योरएयर ने सरकारी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से इसे तैयार किया है। यह ड्रोन निगरानी, लक्ष्य की पहचान और दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। यह बिना जीपीएस के भी हमला कर सकता है। सर्च, डिटेक्ट से लेकर डिस्ट्रॉय तक यह सेना की मदद करेगा। इस सिस्टम में हवा में एक साथ कई ड्रोन तैनात किए जा सकते हैं। अलख-एस ड्रोन लक्ष्य की खोज और निगरानी करता है। इसके बाद मदरशिप और छोटे ड्रोन के बीच तुरंत सूचनाएं साझा की जाती हैं। अलख से सूचना मिलते ही ड्रोन दुश्मन के ठिकाने पर हमला कर सकते हैं। अलख माइक्रो-यूएवी के दो वेरिएंट हैं। अलख-एस निगरानी और लक्ष्य की पहचान के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि अलख-के लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है।

देश कोई धर्मशाला नहीं कि हर कोई बस जाए

शाह बोले-यहां रहने का अधिकार सिर्फ अपने नागरिकों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां रहने का अधिकार केवल नागरिकों को है। घुसपैठिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए खतरा हैं। हमारा लक्ष्य देश को इन घुसपैठियों से मुक्त करना है। शाह ने इंटेलीजेंस ब्यूरो की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में सभी बॉर्डर स्टेट का दौरा किया है। उन्होंने इन राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा की रणनीति से जुड़ा दस्तावेज भी साझा किया। शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने और उसके 360 डिग्री नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा रणनीति को रोज की कार्रवाई में उतारने की बात कही।

● घुसपैठिए भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा

सात साल में 274 भगोड़े विदेश से लाए गए

2019 से 2026 के बीच करीब 274 भगोड़ों को विदेश से वापस लाया गया है। सभी राज्य लक्ष्य तय करें कि विदेश में बैठे भगोड़ों को देश के कानून के दायरे में लाया जाए। मोदी सरकार ने मल्टी एजेंसी सेंटर को भी अपग्रेड किया है, ताकि यह कई स्तरों पर नतीजे देने वाला प्लेटफॉर्म बन सके। एक साल में तीनों नए कानून 100 फीसदी लागू होंगे। इससे आपराधिक मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में हो सकेगा और सजा की दर 25 फीसदी बढ़ेगी।

डैम ओवरफ्लो, पुल डूबा अस्पताल में भरा पानी

● भारी बारिश से यूपी और बिहार में बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में मूसाखांड और लतीफशाह बांध ओवरफ्लो हो गए हैं, जिसके बाद उनके गेट खोल दिए गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिन पुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया। वहीं, महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया और इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा। बिहार के बेगूसराय में गंगा उफान पर है।

नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 50 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश में पूर्वी हिस्से के बाद अब उत्तरी, पश्चिमी और मध्य हिस्सों में मानसून ऐक्टिव होगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, बिहार में हाईअलर्ट

चीन के तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का पानी अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी इलाके के कई घरों, बाजारों और दूसरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। इसमें कई लोगों के बहने की भी खबर है। जिससे कई गांव और जलविद्युत परियोजनाएं बह गई हैं। नेपाल में बाढ़ की वजह से बिहार में हाईअलर्ट जारी किया गया है।

पंजाब में अकालियों से गठजोड़ फाइनल, होगा खेला

● बीजेपी बिग ब्रदर बनेगी, 70+ और 40+ का फॉर्मूला तैयार ● दिल्ली से भेजा मैसेज-एसएडी के खिलाफ कुछ न बोलें

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव के लिए शिरोमणी अकाली दल (बादल) और भाजपा के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है। इस बार भाजपा 'बिग ब्रदर' यानी सीनियर पार्टनर की भूमिका में आने की तैयारी कर रही है। इसके लिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के आंकड़ों को आधार बनाया है। भाजपा 70+ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। अकालियों को 40+ सीटें मिल सकती है। लगातार 10 साल से सत्ता से बाहर होने की वजह से मजबूरी में अकाली दल ने ग्रामीण क्षेत्रों की सभी सीटों

पर भी दावेदारी छोड़ दी है। इसी रणनीति के तहत भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने पंजाब का दो दिवसीय दौरा कर लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा में नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें कीं। उन्होंने नेताओं को साफ कर दिया है कि गठबंधन पर फैसला होने तक नेता सार्वजनिक तौर पर सिर्फ '117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी' वाली लाइन बोलते रहें। दिल्ली से ये भी मैसेज है कि अकालियों के खिलाफ बयानबाजी नहीं करनी है। वहीं दूसरे दलों व खासकर, कांग्रेस से आए नेताओं को बड़े पद देने के बाद पैदा हुई अंदरूनी गुटबाजी दूर करने के लिए संतोष ने नेताओं को समझाया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को घर की 'नई बहू' समझें और परिवार का हिस्सा मानकर नई बहू की तरह सम्मान दें।

सिर्फ 117 सीटों की एक लाइन याद रखें

गठबंधन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने पंजाब इकाई के तमाम छोटे-बड़े नेताओं को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से नेताओं को निर्देश दिया गया है कि जब तक गठबंधन का कोई आधिकारिक फैसला सार्वजनिक नहीं होता, तब तक कोई भी नेता गठबंधन की संभावनाओं पर स्वतंत्र बयानबाजी नहीं करेगा। चाहे मीडिया का सवाल हो या सार्वजनिक मंच, सभी नेताओं को केवल एक ही आधिकारिक स्टैंड दोहराना है- भाजपा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर रही है और अपने दम पर सरकार बनाएगी। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी पंजाब दौरे के दौरान वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में यही बात दोहराई थी।

'फ्री' बस से लेकर 'कैश' पेमेंट तक की सुविधा

● रक्षा बंधन पर 'बहनों' पर मेहरबान हुई राज्य सरकारें ● दिल्ली, यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश से बड़े-बड़े ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश और यूपी से लेकर उत्तराखंड तक रक्षा बंधन पर राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए तोहफों झड़ी लगा दी है। कई राज्यों ने दो दिनों तक 'बहनों' के लिए रोडवेज बस में सफर एकदम फ्री कर दिया है। कुछ राज्यों ने तो इससे आगे बढ़कर महिलाओं के साथ एक अटेंडर भी मुफ्त रखने की सुविधा दी है। इतना ही नहीं कई राज्य नकद पैसे भी सीधी बहनों के खाते में डाल रहे हैं और ये रकम 250 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक है।

बिहार में बस फ्री, डाक भेजने पर छूट- बिहार में रक्षा बंधन पर बहनों के लिए दो दिन तक बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में सफर फ्री रखा गया है। बिहार सरकार की तरफ से 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से लेकर 28 अगस्त की रात 10 बजे तक इसे लागू किया गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सभी बसों में यह सुविधा रहेगी। इसके अलावा रक्षा बंधन वाले दिन स्कूल-कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। बिहार से डाक के जरिए राखी भेजने पर 10 फीसदी छूट मिलेगी। यूपी की योगी सरकार ने भी रक्षा बंधन पर बहनों को फ्री बस का डबल तोहफा दिया है। इसके तहत 27 अगस्त की सुबह से 28 अगस्त की रात तक सरकारी बसों में महिलाओं का सफर फ्री रहेगा। ये सुविधा सभी महिलाओं के लिए रहेगी।

दिल्ली में लक्ष्मी योजना की शुरुआत

रेखा गुप्ता सरकार ने रक्षा बंधन पर अपनी मासिक दिल्ली लक्ष्मी योजना शुरू करने का ऐलान किया है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 26 अगस्त से इस योजना के अप्रूवल लेटर बंटने शुरू हो गए हैं।

राजस्थान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तोहफा

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने भी रक्षा बंधन पर महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा की सुविधा दी है। इसके तहत महिलाओं और बालिकाओं के लिए 27 अगस्त की रात 12 बजे से लेकर 29 अगस्त की रात 11.59 बजे तक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस में यात्रा फ्री कर दी गई है। इसके अलावा सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को रक्षा बंधन का गिफ्ट दिया है।

मध्य प्रदेश में 250 रुपए का शगुन अलग से

मध्य प्रदेश सरकार ने रक्षा बंधन पर बहनों को शगुन का तोहफा दिया है। इस महीने लाडली बहना योजना की राशि में महिलाओं को 250 रुपये अलग से शगुन के तौर पर भेजे गए हैं। हर महीने लाडली बहना योजना में 1500 रुपये की किश्त भेजी जाती थी, जिसमें 250 रुपये जुड़ने के बाद इस महीने 1750 रुपये भेजे गए हैं।

● चावल, चाय और दवा निर्यात पर मंडराया गहरा संकट

ईरान पर अमेरिका के बैन से भारत को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए नया अभियान शुरू किया है। अमेरिकी प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ कारोबार जारी रखने वाली विदेशी कंपनियों और देशों पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्हें अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से बाहर किया जा सकता है। इसका असर भारत के ईरान को होने वाले निर्यात पर भी पड़ने की आशंका है।

भारत-ईरान व्यापार में भारी गिरावट

भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार पहले ही 2019 के बाद काफी कम हो चुका है। अमेरिका की ओर से 2019 में ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में मिली छूट खत्म किए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिकी बाजार और वित्तीय प्रणाली तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने से बचने के लिए ईरान से कच्चे तेल का आयात लगभग बंद कर दिया था।

चावल निर्यात पर सबसे बड़ा खतरा

अमेरिका की नई कार्रवाई से भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान को भारत के चावल, चाय और दवाओं का कारोबार हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर दुबई के रास्ते होता रहा है। खास तौर पर बासमती चावल का निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारत ने 2026 की पहली छमाही में ईरान को करीब 38.3 करोड़ डॉलर का चावल निर्यात किया है। भारतीय निर्यातकों के लिए समस्या इसलिए बढ़ सकती है क्योंकि इस कारोबार का बड़ा हिस्सा दुबई के जरिए होता है।

हिमाचल में भूकंप, किचन में रखे वर्तन गिरे, सुबह-सुबह लगे झटके लोग घरों से निकले

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की राजधानी शिमला सहित आस पास के शहरों में आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया। घरों की किचन में रखे वर्तन गिरने लगे। जब तक लोग समझ पाते तब तक झटके लगने लगे। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकले तब पता चला कि भूकंप के झटके आ रहे हैं। सुबह 5 बजकर 46 मिनट और 50 सेकंड पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई। इसका केंद्र शिमला से करीब 66 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण दिशा में, जमीन से 10 किलोमीटर नीचे जुब्बल-कोटखाई की तरफ था। यह झटका लगभग तीन सेकंड तक महसूस किया गया, जिसके दौरान धरती डोलने पर कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, उस समय कई लोग नींद में थे, जिस वजह से उन्हें इसका पता नहीं चल पाया। कुछ नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से तेज झटका लगने की जानकारी साझा की। शिमला के अलावा सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और मंडी के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। गनीमत यह रही कि इस घटना में फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भौगोलिक रूप से भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्यों में आता है, जिसमें शिमला और मंडी जैसे जिले जोन-4 और जोन-5 के अंतर्गत आते हैं। सामान्य तौर पर 5.0 से कम तीव्रता वाले भूकंपों से बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना कम होती है। इससे पहले हाल ही में चंबा और कांगड़ा जिलों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

गोवा कैबिनेट का ऐतिहासिक कदम : गैर-कानूनी धर्मांतरण पर उम्रकैद की सजा का प्रस्ताव

पणजी (एजेंसी)। गोवा कैबिनेट ने गैर कानूनी धर्म परवर्तन निषेध विधेयक 2026 को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी दे दी है। यह विधेयक जबरन, दबाव, लालच, धोखाधड़ी या शादी के मकसद से किए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान करता है। प्रस्तावित कानून के तहत इसतरह के मामलों में दोषियों को उम्रकैद तक की सजा, न्यूनतम 50 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़ितों को 5 लाख रुपये तक का मुआवजा देना पड़ सकता है। विधेयक प्रावधान करता है कि यदि कोई शादी केवल गैर कानूनी धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से की गई हो, तब उस शादी को अमान्य घोषित किया जा सकता है। धर्मांतरण में शामिल दोषियों को कम से कम तीन साल और अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। यदि धर्मांतरण का शिकार कोई नाबालिग, मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति, महिला या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है, तब यह सजा 5 से 14 साल की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्माने तक बढ़ सकती है। मुख्य सचिव वी. कंडावेलू ने इस कानून के उद्देश्य पर कहा कि इसका मकसद कमजोर और भोले-भाले लोगों को अनुचित तरीकों से होने वाले धर्मांतरण से बचाना है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा, जबकि धर्मांतरण समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति को रस्म से एक महीने पहले जानकारी देनी होगी।

कंगना के पलटवार से सन्न बाबा रामदेव : जवानी पर सवाल उठाना पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति और मनोरंजन की दुनिया में अपने बेबाक बयानों से सुर्खियां बटोरने वाली बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योगगुरु बाबा रामदेव के बीच छिड़ा जुबानी जंग अब व्यक्तिगत हमलों में बदल गया है। कंगना के विवादित जनरेशन गटर बयान से शुरू हुआ यह मामला, रामदेव द्वारा उनकी जवानी और अतीत पर सवाल उठाने के बाद तीखे व्यक्तिगत पलटवार में बदल गया। कंगना के करारे जवाब से सन्न हुए रामदेव को आखिरकार यह कहना पड़ा कि वह विवाद को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते। दरअसल, जंतर-मंतर पर युवाओं को जनरेशन गटर कहने पर उठे विवाद के बीच, जब बाबा से कंगना के बयान पर सवाल पूछा गया, तब उन्होंने अभिनेत्री-सांसद पर हमला बोल दिया। रामदेव ने कहा था, 'उनका बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनके पिछले काम कैसे थे? मैं इसतरह के लोगों पर बात नहीं करना चाहता। युवाओं को जनरेशन गटर कहना विकृत मानसिकता की निशानी है।' रामदेव के इन्हीं निजी टिप्पणियों पर सांसद कंगना ने तत्काल और तीखा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में दिवास्वप्न मत देखिए। अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही कुछ भी मान सकते हैं। कम से कम मुझे झूठे या भ्रामक प्रभावकारिता दावों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी।' कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने रामदेव को चरित्र पर उपदेश देने से साफ मना किया और दो टूक कहा, 'मुझे कैरेक्टर लेसन मत दीजिए। तुमसे तब बहुत ज्यादा बेहतर है मेरा कैरेक्टर। नो फ्रॉड डिटेक्टेड हियर।' यह पलटवार पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के उस मामले की ओर इशारा था, जहां 2024 में रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी।

कोर्ट के फैसले पर भड़के ओवैसी ने कहा- 'हमारा धर्म, हम तय करेंगे'

बोले- जज तय नहीं कर सकते कि इस्लाम में क्या जरूरी है; फैसले को अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ बताया

हैदराबाद, एजेंसी।
स्कूलों में हिजाब या हेडस्कार्फ पहनने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह तय करना न्यायाधीशों का काम नहीं है कि इस्लाम में कौन-सी धार्मिक प्रथा जरूरी है और कौन-सी नहीं। ओवैसी ने इसे धर्म पर हमला बताते हुए कहा, 'यह हमारा धर्म है और हम तय करेंगे कि क्या जरूरी है। जज कौन होते हैं यह तय करने वाले?'

सांसद ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर विचार कर रहा है। ऐसे में उनका कहना था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को इस मुद्दे पर फैसला नहीं देना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट का आदेश संविधान के अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ है। ओवैसी ने स्कूल छात्रा की हिजाब पहनने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह उसकी पसंद और निजता का मामला है। उन्होंने कहा, 'वह हिजाब अपने सिर पर पहन रही है, न कि अपने दिमाग पर।' उन्होंने दावा किया कि ऐसे फैसलों का मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम छात्राओं के स्कूल नामांकन को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि ऐसे कदम उनकी शिक्षा में बाधा डाल सकते हैं।

क्या है इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 21 अगस्त को एक मुस्लिम छात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल प्रयागराज के एक निजी स्कूल की छात्रा ने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति मांगी थी। छात्रा हाई स्कूल पास करने के बाद उसी स्कूल में 11वीं कक्षा में दाखिला लेना चाहती थी। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने कहा कि किसी छात्र को शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह दलील भी स्वीकार नहीं की कि सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मुद्दे पर जिन मामलों में विभिन्न हाईकोर्ट ने विचार किया है, उनमें यह राय सामने आई है कि महिलाओं के लिए सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लामी आस्था का ऐसा अनिवार्य हिस्सा नहीं है, जिसके बिना धार्मिक आस्था खतरे में पड़ जाए।

कर्नाटक : मंत्री नागेंद्र ने 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों के बीच, राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी.नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने मामले को लेकर डीके शिवकुमार सरकार पर भारी दबाव बनाया हुआ था। विपक्षी भाजपा ने नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन किए, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क से विधानसभा का घेराव करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। विपक्ष का आरोप था कि कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर नागेंद्र को तत्काल पद से हटना चाहिए। भाजपा ने तर्क दिया कि करीब 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के दौरान संबंधित मंत्री का पद पर बने रहना उचित नहीं है। लगातार विरोध प्रदर्शनों, विधानसभा में हंगामे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के कारण ही नागेंद्र ने यह फैसला लिया। नागेंद्र की इस्तीफे की पेशकश को विपक्ष के निरंतर दबाव का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व पर निर्भर है। विधानसभा सत्र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन वाल्मीकि निगम के कथित घोटाले को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव अभी भी जारी है।

लोकसभा स्पीकर ने टीएमसी से 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका दायर की थी। इस मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम तब हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर उन 20 सांसदों से जवाब मांगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सांसदों को नोटिस जारी किया और स्पीकर के पास लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द विचार करने को कहा है। लोकसभा स्पीकर और सेक्रेटरी जनरल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत टीएमसी द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उन 20 सांसदों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सवाल नोटिस जारी करने का नहीं है, सवाल एक तय समय-सीमा के अंदर कार्यवाही पूरी करने का है। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इन 20 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और बाद में नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हो गए। अभिषेक बनर्जी का तर्क है कि उनके इस आचरण के कारण संविधान के दलबदल-रोधी प्रावधानों के तहत उन्हें अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अमेरिका को की थी लीक

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा

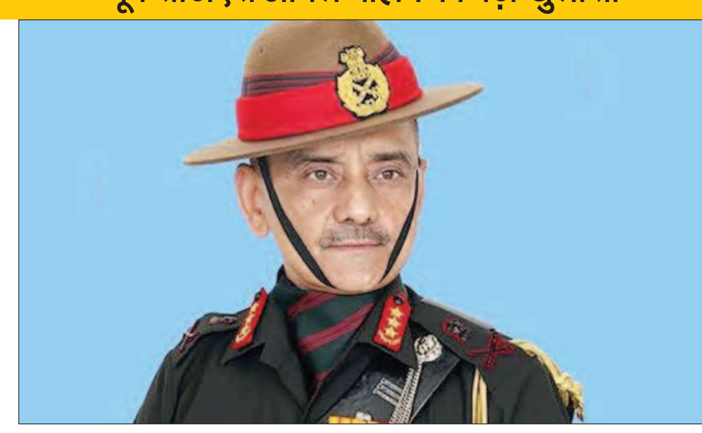

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने पिछले साल हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि इस ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की ओर से अमेरिका को लीक की गई होगी। पूर्व सीडीएस ने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को लेकर पूरी तरह द्विपक्षीय बातचीत हुई थी और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में उन्होंने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि भारत की आधिकारिक घोषणा से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान कैसे कर दिया।

पूर्व सीडीएस ने बताया कि गत वर्ष 29 अप्रैल को आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाने का अहम फैसला लिया गया था और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सेना पर किसी भी प्रकार का कोई राजनीतिक दबाव नहीं था। संघर्ष विराम की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच आपसी सहमति से समय तय किया गया था। फोन पर बातचीत के बाद शाम पांच बजे का समय निर्धारित हुआ था, जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट है कि सीजफायर केवल दो सैन्य अधिकारियों के बीच की आपसी समझ का परिणाम था। जब उनसे यह सवाल किया गया कि यह गोपनीय जानकारी अमेरिका तक कैसे पहुंची, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह सूचना भारतीय पक्ष की तरफ से बिल्कुल लीक नहीं की गई थी। उन्होंने अंदेशा जताया कि यह जानकारी निश्चित तौर पर दूसरे पक्ष यानी पाकिस्तान की तरफ से ही लीक हुई होगी। इसके अलावा, पूर्व सीडीएस ने किराना हिल्स पर किए गए हमलों की अटकलों पर भी विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों वाले क्षेत्र किराना हिल्स को निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने समझाया कि हमलों से पहले सरगोधा क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे गए थे, जिनका मुख्य उद्देश्य वहां के रडार का पता लगाना था। हवा में लंबे समय तक मंडराने के बाद यदि इन ड्रोनों को कोई लक्षित स्थान नहीं मिलता है, तो वे नीचे उतरकर टकरा जाते हैं। संभवतः इसी प्रक्रिया के दौरान कोई ड्रोन किराना पहाड़ियों से टकरा गया होगा, जिसे पाकिस्तानी मीडिया ने गलत तरीके से प्रचारित किया था।

महिलाओं की भागीदारी से बेलड़ा बनेगा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का मॉडल ग्राम पंचायत

हरिद्वार (शिखर समाचार)। ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने और महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। रुड़की विकासखंड की बेलड़ा ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जा रहा है। योजना के सफल होने पर इसे जिले और राज्य की अन्य ग्राम पंचायतों में भी लागू करने की तैयारी है।

ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया है। राधे-राधे स्वयं सहायता समूह की महिलाएं घर-घर जाकर कूड़ा एकत्र कर रही हैं। इसके लिए प्रत्येक परिवार से मात्र 30 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। ग्राम प्रधान के नेतृत्व में नियमित कूड़ा संग्रहण होने से गांव में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार देखने को मिल रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने बुधवार को ग्राम पंचायत बेलड़ा का निरीक्षण कर घर-घर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से कूड़ा एकत्र करने की प्रक्रिया और सामने आ रही समस्याओं की जानकारी ली। महिलाओं के उत्साह और कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उन्होंने प्रत्येक विकासखंड से 10-10 ग्राम प्रधानों की टीम बनाकर बेलड़ा का अध्ययन भ्रमण कराने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य अन्य ग्राम पंचायतों में भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों का बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने गांव के प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से स्वच्छता के साथ ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर मिलेगा।

स्वच्छता नियंत्रण कक्ष करेगा शिकायतों का समाधान

मुख्य विकास अधिकारी ने स्वच्छता नियंत्रण कक्ष के प्रभारी नोडल अधिकारी स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी को ग्राम पंचायतों से प्राप्त शिकायतों को सूचीबद्ध करने और सुझाव तथा आवश्यक संसाधनों की मांग संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों से ग्राम प्रधानों के समूह बनाकर बेलड़ा मॉडल का अध्ययन कराने और इसी तर्ज पर कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने को कहा। ग्रामीण स्वच्छता से संबंधित समस्याएं और सुझाव नियंत्रण कक्ष के माध्यम से दर्ज कराए जा सकेंगे।

हरिद्वार पुलिस ने मगध साइबर गिरोह का किया भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय के साइबर अपराध हॉटस्पॉट अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नालंदा और नवादा, बिहार से जुड़े कथित साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने श्यामपुर क्षेत्र में संदिग्ध वाहन की जांच के दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 35 एटीएम कार्ड, 14 बैंक पासबुक, 17 सिम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, 10 एटीएम कवर, पैन कार्ड और 37,500 रुपये की नकदी बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार 25 और 26 अगस्त की मध्यरात्रि को श्यामपुर पुलिस क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सज्जनपुर पीली क्षेत्र में सूचना मिली कि सफेद रंग की स्विफ्ट कार में कुछ लोग साइबर ठगी से जुड़े हैं। सूचना के आधार पर रसियाबड़ सिंगल लाइन प्वाइंट पर चेकिंग शुरू की गई। चिड़ियापुर की ओर से आई कार को रोककर तलाशी लेने पर उसमें सवार पांच लोगों के पास से साइबर अपराध से संबंधित सामग्री बरामद हुई।

प्रारंभिक डिजिटल जांच में मोबाइल फोन और बैंक दस्तावेजों से जुड़े व्हाट्सऐप संदेश, बैंक खातों के विवरण, क्यूआर कोड और लेन-देन की जानकारी सामने आई है। पुलिस का दावा है कि प्रारंभिक बैंकिंग एवं डिजिटल विश्लेषण में 2.75 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध डिजिटल लेन देन के सुराग मिले हैं। पुलिस के मुताबिक स्थानीय लोगों से बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड और सिम लेकर उनमें आने वाली रकम को विभिन्न खातों और क्यूआर माध्यमों से स्थानांतरित कर एटीएम से नकदी निकाली जाती थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कृष्णा पांडे निवासी नालंदा, बिहार, निरंजन कुमार निवासी नवादा, बिहार, सन्नी निवासी हरिद्वार, चंद्रमणि कुमार निवासी नवादा, बिहार और चंदन पांडे निवासी हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस बैंक खातों और बरामद डिजिटल उपकरणों की विस्तृत जांच कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने पांच वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित विशेष गीत का किया विमोचन

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री शिविर कार्यालय में पंचवटी फिल्म्स प्रोडक्शन और आदर्श औद्योगिक स्वायत्त सहकारिता संस्था की ओर से मुख्यमंत्री के पांच वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष गीत का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने गीत से जुड़े निमार्ता-निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, गायक और अन्य कलाकारों के साथ संस्था के पदाधिकारियों को इस पहल के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की विकास यात्रा और राज्य में हो रहे सकारात्मक बदलावों को गीत-संगीत के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को सशक्त बनाने तथा युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और देवभूमि की विशिष्ट पहचान का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए विकास कार्यों को गति दी जा रही है। गीत के माध्यम से सरकार की योजनाओं और प्रदेश की विकास यात्रा को लोगों तक पहुंचाने की पहल को उन्होंने सकारात्मक बताया।

कार्यक्रम में आदर्श संस्था की अध्यक्ष आशा कोठारी ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों और जनहित में लिए गए निर्णयों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने एल्बम के निमार्ता उत्तम सिंह भंडारी, गायक विक्रम भंडारी एवं शिवानी नेगी तथा संगीतकार विजयपाल कलूड़ा सहित अन्य कलाकारों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आशा कोठारी ने की, जबकि संचालन संस्था के सचिव हरीश कोठारी ने किया। इस अवसर पर युवा मोर्चा पछवादून के जिलाध्यक्ष विनायक नौटियाल, प्रदीप दुग्गल, विजय असवाल, शोभित उनियाल, गिरीश भट्ट, लक्ष्मी नारायण नवानी, आदित्य नौटियाल, सहदेव सिंह बिष्ट, सपना जवाड़ी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गाजियाबाद में 500 महिलाओं ने देखा लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ, साड़ी-मिठाई से हुआ सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ से 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सीधा प्रसारण किया गया। गाजियाबाद में लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में करीब 500 महिलाओं ने मुख्यमंत्री का संबोधन देखा और सुना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र में आर्थिक कारणों से महिलाओं को आवागमन में परेशानी होती है। निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने सरकार की विभिन्न महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी भी दी। रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार ने सभी महिलाओं, माताओं और बेटियों के लिए भी 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की है। इससे महिलाएं पर्व के दौरान मायके और अन्य गंतव्यों तक बिना अतिरिक्त यात्रा खर्च के आवागमन कर सकेंगी। मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सुशीला, मंजू शर्मा, मोनिका, विमल पाल, पिंकी रानी, नेहा, प्रियंका रस्तोगी, पूजा गौतम, पूनम त्यागी, नीतू सिंह और सरिता सहित 11 महिलाओं को साड़ी और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद अन्य महिलाओं को भी साड़ी और मिठाई प्रदान की गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, नगर मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी, परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन आलोक दास ने किया।

वित्तीय साक्षरता के प्रसार में योगदान पर वसीम अहमद सम्मानित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संचालित और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वित्तपोषित वित्तीय साक्षरता केंद्र परियोजना के अंतर्गत जनपद मुजफ्फरनगर में वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए खतौली निवासी वसीम अहमद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूक करने में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया है।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक निलय वत्स ने बताया कि वसीम अहमद ने ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर समर्पण और व्यावसायिक दक्षता के साथ कार्य किया। उनके प्रयासों से ग्रामीण लोगों को बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाने, डिजिटल माध्यम से सुरक्षित लेन-देन करने तथा विभिन्न सरकारी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिली है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय साक्षरता का उद्देश्य ग्रामीण और जरूरतमंद लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने के साथ उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। वसीम अहमद द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयासों से वित्तीय समावेशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। वसीम अहमद वित्तीय साक्षरता केंद्र परियोजना में क्षेत्र समन्वयक के पद पर कार्यरत हैं। सम्मान मिलने पर उनके कार्य की सराहना की गई।

72 हजार नशीले कैप्सूल और 549 इंजेक्शन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना सिविल लाइन पुलिस ने नशीली दवाइयों और इंजेक्शनों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 72 हजार नशीले कैप्सूल, 549 नशीले इंजेक्शन और तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर की बलेनो कार बरामद की है। बरामद नशीली दवाइयों की अनुमानित कीमत करीब छह लाख 65 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सिविल लाइन पुलिस टीम माल रोड पर चेकिंग कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक निवासी तीर्थ कॉलोनी, रेलवे स्टेशन के पास खतौली, मूल निवासी कुतुबपुर थाना छपार, मुजफ्फरनगर, कलीम निवासी बधौली थाना खरखौदा, मेरठ और जुनैद निवासी लोहिया नगर, मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से स्पास्मोविल कंपनी के ट्रामाडोल के 48 हजार भूरे और 24 हजार नीले कैप्सूल बरामद हुए। इसके अलावा एविल कंपनी के 50 तथा पैंटासिल कंपनी के 499 इंजेक्शन भी मिले। पूछताछ में आरोपियों ने हापुड़ निवासी एक व्यक्ति से व्हाट्सऐप के माध्यम से नशीली दवाइयां खरीदकर युवाओं को महंगे दामों पर बेचने की बात बताई है। पुलिस इनके अन्य संपर्कों और आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा का उपहार, हापुड़ में साड़ी और मिठाई देकर किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मातृशक्ति सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं के लिए शुरू की गई निःशुल्क बस यात्रा सुविधा के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इसके बाद उपस्थित महिलाओं को रक्षाबंधन के उपहार के रूप में साड़ी और मिठाई देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27 अगस्त से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में सभी महिलाओं, माताओं और बहनों को सहयात्री सहित निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा महिलाओं को रक्षाबंधन पर सम्मान के साथ मायके पहुंचने के साथ ही रोजमर्रा के काम, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए यात्रा में मदद करेगी। यात्रा के दौरान महिलाओं को आधार कार्ड साथ रखना होगा।

मंत्री ने बताया कि 29 अगस्त के बाद 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को प्रदेश की परिवहन निगम की बसों में स्थायी रूप से निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल मुफ्त यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं के सशक्त होने से परिवार, समाज और प्रदेश मजबूत होगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, जिलाधिकारी कविता मीना, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कविता माधरे, परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, पुलिस क्षेत्राधिकारी, सांसद प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत, बुढ़ाना के कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली के पदभार ग्रहण समारोह में बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। दिल्ली में आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में युवा भाजपा नेता शाहिद असलम ने समर्थकों के साथ पहुंचकर कुंवर बासित अली का जोरदार स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कस्बा निवासी अल्पसंख्यक मोर्चा के शक्ति केंद्र संयोजक शाहिद असलम और पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष दिलशाद चौहान के नेतृत्व में क्षेत्र के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। इस दौरान कार्यकताओं ने नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। शाहिद असलम ने कहा कि कुंवर बासित अली के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा और अधिक मजबूती के साथ कार्य करेगा। उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से देश और उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक समाज में भारतीय जनता पार्टी के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि बुढ़ाना क्षेत्र का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहा है। पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नासिर सैफी, परवेज सैफी, महबूब खान, अनस सिद्दीकी, दानिश खान, अहमद अली, फैसल राणा, शारिक चौधरी और मोहसिन चौहान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भास्कर क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ियों को मिले सफलता के मंत्र, परवेश दहिया और कृष्ण गोपाल शर्मा ने किया मार्गदर्शन

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। भास्कर इंटरनेशनल स्कूल में संचालित भास्कर क्रिकेट एकेडमी में युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक मुलाकात का आयोजन किया गया। इस दौरान हरियाणा की ओर से क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके परवेश दहिया और कृष्ण गोपाल शर्मा ने एकेडमी के खिलाड़ियों से संवाद किया और उन्हें क्रिकेट की बारीकियों के साथ खेल में सफलता हासिल करने के लिए जरूरी मेहनत, अनुशासन और धैर्य के बारे में जानकारी दी।

परवेश दहिया हरियाणा बोर्ड की ओर से अंडर-23 प्रतियोगिता, रेड बुल विश्व कप और रणजी ट्रॉफी शिविर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। वहीं कृष्ण गोपाल शर्मा भी हरियाणा रणजी ट्रॉफी शिविर का हिस्सा रह चुके हैं। दोनों खिलाड़ियों ने युवा क्रिकेटरों को खेल के प्रति जुनून बनाए रखने, नियमित अभ्यास करने और लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट में सफलता केवल प्रतिभा के दम पर हासिल नहीं की जा सकती। इसके लिए अनुशासन, कड़ी मेहनत और धैर्य भी उतना ही आवश्यक है।

मुलाकात के दौरान एकेडमी के खिलाड़ियों ने अतिथि खिलाड़ियों से क्रिकेट से जुड़े अनुभव साझा किए और उनसे खेल की तकनीक एवं अभ्यास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए। खिलाड़ियों ने दोनों अतिथियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी एकेडमी में आकर मार्गदर्शन देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में भास्कर समूह के अध्यक्ष नसीम कुरैशी अधिवक्ता, निदेशक एम.एफ. कुरैशी और क्रिकेट प्रशिक्षक परवीन कुमार ने परवेश दहिया और कृष्ण गोपाल शर्मा का स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन युवा क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और खेल कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

थानाभवन में सीसी सड़क और आरसीसी नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। कस्बे में विकास कार्यों को गति देते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष राव मुशायदा और अध्यक्ष पति हाजी राव जमशेद ने सोमवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का फीता काटकर शुभारंभ किया। अस्पताल कॉलोनी में गोसगढ़ मार्ग से मस्जिद तक सीसी सड़क निर्माण तथा चरथावल रोड के मोड़ से महिपाल सर्विस सेंटर तक आरसीसी नाला निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया। निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। फीता काटकर निर्माण कार्यों का शुभारंभ किए जाने के बाद उपस्थित लोगों को मिठाई वितरित की गई। इस दौरान लोगों ने नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की।

नगर पंचायत अध्यक्ष राव मुशायदा और हाजी राव जमशेद ने कहा कि कस्बे के विकास और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। अस्पताल कॉलोनी में सीसी सड़क बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात के दौरान सड़क की स्थिति में भी सुधार होगा। वहीं चरथावल रोड के मोड़ से महिपाल सर्विस सेंटर तक आरसीसी नाला बनने से जल निकासी की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। आने वाले समय में भी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण और विकास कार्य लगातार कराए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित गणमान्य नागरिकों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया गया।

उपज की बैठक में पत्रकारों की समस्याओं पर हुआ मंथन, सचिन अग्रवाल सम्मानित

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की मासिक बैठक बुधवार को किरतपुर में नवनियुक्त नगर अध्यक्ष सचिन अग्रवाल के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, पत्रकारों की समस्याओं और पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान नवनियुक्त नगर अध्यक्ष सचिन अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सचिन अग्रवाल ने कहा कि उपज संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ ही संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। नगर स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सभी पत्रकारों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में पत्रकारों की एकजुटता बनाए रखने, संगठन की आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और पत्रकारिता से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से कार्य करने पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारों के हितों से संबंधित समस्याओं को संगठन के माध्यम से उचित मंच पर उठाया जाएगा। बैठक में जिला महामंत्री रामनाथ सिंह, बाबू राम आर्य, कार्यकारी महामंत्री लव अग्रवाल, डॉ. खिजर, विवेक कुमार, शमीम, समक्ष अग्रवाल, रोहित जोशी, उज्ज्वल शर्मा और अभिषेक ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, राखियों और मिठाइयों की खरीदारी तेज

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही नगर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों की खरीदारी शुरू कर दी है। नगर के मुख्य बाजारों में जगह-जगह राखियों के स्टाल सजे हुए हैं, जहां महिलाओं और युवतियों की भीड़ खरीदारी करती दिखाई दे रही है। दुकानों पर विभिन्न डिजाइन और रंगों की राखियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर बहनें अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियों के साथ मिठाइयों की भी खरीदारी कर रही हैं। वहीं भाई भी अपनी बहनों को उपहार देने के लिए कपड़े, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य पसंदीदा सामान खरीदने में जुटे हुए हैं। इससे बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। पर्व को लेकर मिठाई विक्रेताओं ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। दुकानों पर विभिन्न प्रकार की मिठाइयां तैयार की जा रही हैं। ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानदारों ने मिठाइयों और राखियों का पर्याप्त स्टॉक जुटाना शुरू कर दिया है। रक्षाबंधन के चलते नगर के बाजारों में सुबह से लेकर शाम तक चहल-पहल बनी हुई है और दुकानदारों को भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

शामली सदर विधानसभा क्षेत्र में 9.89 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा

शामली (शिखर समाचार)। शामली सदर विधानसभा क्षेत्र में करीब 9.89 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाने की घोषणा की गई है। विधायक प्रसन्न चौधरी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांवों और कस्बों में सड़क, नाला, पुलिया, संपर्क मार्ग सहित कई निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों के पूरा होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवागमन की सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है। योजना के तहत शामली-कैराना मार्ग पर सड़क और नाले से संबंधित कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा लिसाढ़ क्षेत्र में विभिन्न मार्गों का निर्माण, ग्राम मुंडेट में तालाब से हरियाणा सीमा तक मार्ग निर्माण तथा भारसी राजवाहे से कनियान मार्ग का निर्माण शामिल है। कस्बा बनत में प्रमुख संपर्क मार्गों के निर्माण के साथ फतेहपुर, कुड़ाना और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले सड़क संपर्क मार्ग भी बनाए जाएंगे। विकास कार्यों के पूरा होने से लंबे समय से जर्जर अथवा अधूरे संपर्क मार्गों से परेशान क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने से गांवों के बीच आवागमन सुगम होगा और लोगों को दैनिक आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों की आपसी संपर्क व्यवस्था भी मजबूत होगी। सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि शामली सदर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क और संपर्क मार्गों के निर्माण से लोगों की आवाजाही आसान होने के साथ क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है और क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्य कराए जाएंगे।

विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने पीएम श्री विद्यालय का किया भ्रमण, शैक्षिक नवाचारों की सराहना

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय का ब्राजील, केन्या, सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका से आए प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्थाओं, नवाचारों और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। विद्यालय पहुंचने पर बच्चों ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप अतिथियों का तिलक लगाकर और अपने हाथों से तैयार किए गए फूल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय के हर्बल गार्डन, किचन गार्डन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, खगोल विज्ञान प्रयोगशाला सहित विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया। सदस्यों ने कक्षा एक और दो में विद्यार्थियों के साथ बैठकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को समझा और बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अलका परिहार ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय के शिक्षकों, अकादमिक संसाधन व्यक्तियों और निपुण प्रकोष्ठ की टीम के साथ विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों पर चर्चा की। इस दौरान प्रेरणा और निपुण प्लस अनुप्रयोगों के माध्यम से होने वाले विद्यार्थियों के आकलन तथा एनबीएमसी पोर्टल के जरिए आंकड़ों के अवलोकन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों का मौके पर आकलन भी किया और उनकी सीखने की उपलब्धियों की सराहना की। विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय में संचालित शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियों का भी अवलोकन किया। सदस्यों ने विद्यालय की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सीखने के अनुकूल वातावरण की प्रशंसा की। बच्चों द्वारा तैयार विभिन्न मॉडलों और सेल्फी स्थल को भी सराहा तथा वहां तस्वीरें खिंचवाईं। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय में किए जा रहे नवाचारों और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रगति को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

संक्षिप्त समाचार

यतींद्रनाथ-विजयनाथ की रचना को मिलेगा राजभाषा गौरव सम्मान

वाराणसी, एजेंसी। काशी के राजभाषा के लिए समर्पित साहित्यकार यतींद्र नाथ चतुर्वेदी और बीएचयू के प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विजय नाथ मिश्र को उनकी कृति टंडपाणि व भैरव के हिंदी में मौलिक लेखन के लिए राजभाषा गौरव पुरस्कार मिलेगा। 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर मुंबई में आयोजित छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में उन्हें यह पुरस्कार दिया जाएगा। डॉ. विजय नाथ मिश्र ने बताया कि उनकी पुस्तक भारत की संस्कृति परंपरा और मूल्यों को उजागर करती है। काशी ने एक कालातीत सफर तय किया है, उस युग के काल से लेकर इस युग के आज तक का सफर। टंडपाणि व भैरवनाथ हमारे भगवान और भारतीय सभ्यता की परत दर परत संक्षिप्त करता है। डॉ. मिश्र की एक महत्वपूर्ण रचना रामचरित मानस की पांडुलिपियां (ज्ञात-अज्ञात तथ्य) पूरे देश में चर्चा का विषय रही है। इसे हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद की ओर से तुलसीदास पुरस्कार से सम्मानित किया गया। काशी की संपदा में गहरी रुचि रखने वाले प्रो. मिश्र ने वाराणसी में गंगा में बढ़ते प्रदूषण पर शोध, अंतरराष्ट्रीय काशी घाट वाक विश्वविद्यालय, तीर्थाटन जैसे कई आयामों को विस्तार दिया है। यतींद्र नाथ चतुर्वेदी का साहित्य केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि भारत की सनातन ऋषि-परंपरा, इतिहास और आधुनिक समाजशास्त्र का एक जीवंत दस्तावेज है। भारतीय साहित्य, वैदिक परंपरा और प्राचीन इतिहास के सशक्त हस्ताक्षर हैं। वह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (भारत सरकार) की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

बीएचयू में आचार्यों-वेद पाठियों ने संस्कृत में नारेबाजी की, 2 किमी तक निकाली संस्कृत शोभायात्रा

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू के वैदिक विज्ञान केंद्र से मालवीय भवन तक करीब दो किलोमीटर लंबी संस्कृत शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में वेदपाठी बटुक स्वस्तिवाचन करते हुए परिसर में बारिश के बीच चलते रहे। संस्कृत में ही ग्रामे-ग्रामे संस्कृत भाषा, नगरे-नगरे संस्कृत भाषा जैसे नारे की गूंज उठी। सबसे आगे बीएचयू के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. सदाशिव द्विवेदी, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य और वैदिक विज्ञान केंद्र के समन्वयक प्रो. विनय कुमार पांडेय और व्याकरण आचार्य प्रो. राम नारायण द्विवेदी के साथ प्रोफेसरों का दल चलता रहा। उनके पीछे शोध छात्रों और वेद पाठियों का समूह रहा। मालवीय भवन में कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने संस्कृत भाषा में अपने विचार रखे। कहा कि संस्कृत भारत के सांस्कृतिक प्रवाह और ज्ञान-विज्ञान की भाषा है। अनादि काल से यह आध्यात्मिक चर्चा, मीमांसा और तर्क की भाषा रही है। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ. संजीव राय ने कहा कि संस्कृत भाषा अत्यंत ही वैज्ञानिक भाषा है। इसका आयोजन संस्कृत भारती काशी, मालवीय भवन, संस्कृत विभाग और काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर से किया गया।

तीन घंटे में लिखी कॉपी, एक मिनट में कैसे जांची, बीएएमएस के छात्रों का हंगामा

आगरा, एजेंसी। बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) के छात्रों ने सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के साथ डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में परीक्षा मूल्यांकन पर सवाल उठाए और प्रदर्शन किया। परीक्षा नियंत्रक का घेराव कर छात्रों ने सवाल किया कि जिस कॉपी को लिखने में उन्हें तीन घंटे का समय लगा, उसे परीक्षकों ने महज एक मिनट में कैसे जांच लिया। करीब 2 घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने 48 घंटे में रिजल्ट अपडेट करने का आश्वासन देकर आंदोलन खत्म कराया। छात्र अमन ने आरोप लगाया कि परीक्षा और मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों के बारे में जब कोई विद्यार्थी अकेले विश्वविद्यालय पहुंचता है तो उसकी सुनवाई नहीं की जाती। छात्र विकास ने बताया कि आरटीआई से कॉपी निकलवाने पर पता चला कि अधिकांश छात्रों की कॉपियां एक या दो मिनट में ही जांच ली गई हैं। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में एकत्रित होकर छात्रों ने नारेबाजी की। विद्यार्थियों के सवाल और विरोध बढ़ने पर परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की ओर से पुलिस बुला ली गई। नाराजगी और बढ़ने पर परीक्षा नियंत्रक ने आश्वासन देकर छात्रों को शांत कराया।

चोक हुआ सिस्टम, जाम में हांफा शहर, सड़क पर धुआं फेंकते रहे वाहन

वाराणसी , एजेंसी। सावन के अंतिम सोमवार की शाम से शुरू बारिश से शहर में मंगलवार को हर तरफ पानी ही पानी दिखा। नगर निगम की तैयारियां बारिश में धुलने के साथ ही यातायात व्यवस्था भी चोक हो गई। हर प्रमुख मार्ग जलमग्न रहे। जाम में लोग सुबह से शाम तक हांफते रहे। मंजिल तय करने में एक से तीन घंटे लग गए। अधिकतर दोपहिया वाहन पानी की वजह से बंद हो गए। काशी जोन के अधिकतर पर्यटक अपने-अपने होटलों के कमरे से बाहर नहीं निकल पाए। फुटपाथ समेत अन्य दुकानें भी पूरे दिन नहीं खुलीं। सामनेघाट-लंका मार्ग पर एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। कमिश्नरेट पुलिस और यातायात पुलिस के अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को सड़क पर यातायात व्यवस्था में तैनात किया गया। सामनेघाट से लेकर लंका मालवीय चौराहा, नरिया तिराहा, दुर्गाकुंड, रवींद्रालय-रामापुरा मार्ग, रथयात्रा-गुरुबाग, लक्सा-गिरजाघर, चेतगंज-नई सड़क मार्ग पर जाम में लोग फंसे रहे। सामनेघाट-लंका, भगवानपुर-लौटूबीर मार्ग सुबह से शाम तक जाम की चपेट में रहा। दोपहर एक बजे नरिया तिराहे से बीएचयू नरिया गेट का सफर तय करने में लोगों को डेढ़ घंटे तक का समय लग गया। लहरतारा रेलवे पुल से चौराहा पूरे दिन जाम की चपेट में रहा। भदऊ छट पुल और राजघाट पुल के बीच भी जाम में लोग हांफते रहे। ककरमत्ता पुल से मंडुवाडीह चौराहा तक जाम रहा। एफसीआई गोदाम मार्ग के पास जलजमाव के चलते वाहनों की रफ्तार थम गई। कुछ बाइक और स्कूटी सवार फिसलकर गिर पड़े। जाम छुड़ाने के लिए टीआई, टीएसआई समेत 8 पुलिसकर्मियों को लगाया गया। महमूरगंज-रथयात्रा मार्ग पर भी जाम में लोगों को रुलाया। वरुणा पार में अर्दली बाजार मार्ग से पुलिस लाइन चौराहा, पांडेयपुर चौराहा, लालपुर मार्ग और पहड़िया, अकथा मार्ग भी जाम से कराहता रहा।

परिजन का बड़ा फैसला

ट्रस्ट के एकाधिकार से पैतृक मकान मुक्ति की मांग

आगरा, एजेंसी। फिरोजाबाद में विश्वविख्यात संत बाबा नीब करौरी महाराज की जन्मस्थली टूंडला के अकबरपुर स्थित पैतृक मकान को लेकर उठा विवाद अब विधिक लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। बाबा महाराज के छोटे बेटे दिवंगत धर्मनारायण शर्मा की छह बेटियों (नातिनों) द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद, अब परिवार ने साफ कर दिया है कि यदि जिला प्रशासन से उन्हें जल्द राहत और न्याय नहीं मिला तो वे इस पूरे मामले को सिविल कोर्ट लेकर जाएंगे।

मुंबई निवासी पोती के भावना रावत के पति मनोज रावत ने स्पष्ट किया है कि परिवार अपनी पैतृक संपत्ति की मुक्ति और बाबा की जन्मस्थली को निजी कब्जे से बचाने के लिए हर कानूनी रास्ता अपनाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि जिला प्रशासन स्तर पर राहत नहीं मिली तो तो परिवार इस मामले को लेकर सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा।

इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। बता दें कि बाबा नीब करौरी महाराज (मूल नाम लक्ष्मी नारायण शर्मा) और उनकी पत्नी दिवंगत राम बेटी शर्मा के परिवार में दो बेटे अनेक सिंह शर्मा व दिवंगत धर्मनारायण शर्मा थे। एक बेटी गिरजा भटेले, आगरा निवासी है। दिवंगत धर्मनारायण शर्मा की छह बेटियां सुनीता शर्मा (वृंदावन), अर्चना शर्मा (दिल्ली), वंदना शर्मा (मथुरा), भावना रावत (मुंबई), रितु तिवारी (दिल्ली) और रिचा रावत (गुड़गांव) बीती 14 अगस्त को अपनी मां की पुण्यतिथि पर अकबरपुर आई थीं।

सभी छह बहनों ने डीएम को एक संयुक्त प्रार्थना पत्र सौंप आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत नगला/अकबरपुर स्थित निजी मकान संख्या 154 (व), जिसमें बाबा नीब करौरी महाराज का ध्यान कक्ष, भोजनालय, अतिथि कक्ष और शयन कक्ष बना हुआ है।

एकाधिकार जमा लेने का लगाया आरोप : परिजन का कहना है कि श्री ठाकुर हनुमान जी ट्रस्ट के माध्यम से निजी एकाधिकार जमा लिया गया है। उनकी मांग है कि निजी स्वार्थों और कब्जे का विवाद समाप्त करने के लिए जिला प्रशासन स्वयं एक आधिकारिक प्रशासनिक ट्रस्ट का गठन करे।

डीएम पदेन सदस्य बनाए जाएं : परिजन की मांग है कि प्रस्तावित ट्रस्ट में डीएम फिरोजाबाद को पदेन अध्यक्ष तथा एसडीएम व तहसीलदार को पदेन सदस्य बनाया जाए ताकि देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं पारदर्शी और सुचारू रह सकें।

यह है पूरा मामला

फिरोजाबाद के टूंडला के अकबरपुर स्थित बाबा नीम करौरी की जन्मस्थली को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पैतृक मकान को श्री ठाकुर हनुमानजी ट्रस्ट से मुक्त कराने के लिए उनके छोटे बेटे की छह बेटियों (पोतियों) ने प्रशासनिक अफसरों से गुहार लगाई है।

बाबा नीब करौरी (मूल नाम लक्ष्मी नारायण शर्मा) और उनकी पत्नी राम बेटी शर्मा के दो बेटे अनेक सिंह शर्मा व धर्म नारायण शर्मा थे। एक बेटी गिरजा भटेले आगरा में रहती हैं। छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा का कोई पुत्र नहीं है, उनकी छह बेटियां सुनीता शर्मा (वृंदावन), अर्चना शर्मा (दिल्ली), वंदना शर्मा (मथुरा), भावना रावत (मुंबई), रितु तिवारी (दिल्ली) और रिचा रावत (गुरुग्राम) हैं।

ये सभी बहनें बीते 14 अगस्त को अपनी मां की पुण्यतिथि मनाने अकबरपुर आई थीं। इसी दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा, जिसे 21 अगस्त को विधिवत पत्रवाहक के जरिए दर्ज कराया गया।

जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में बहनों ने आरोप लगाया है कि अकबरपुर स्थित ग्राम पंचायत नगला के निजी मकान संख्या 154-व में बाबा नीम करोरी का ध्यान कक्ष, भोजनालय, अतिथि कक्ष और शयन कक्ष बना हुआ है, जिस पर श्री ठाकुर हनुमानजी ट्रस्ट काबिज है।

सोमवार को भावना रावत के पति मनोज रावत मुंबई से फिरोजाबाद पहुंचे और उन्होंने डीएम से मुलाकात कर बताया कि श्री ठाकुर हनुमानजी ट्रस्ट में संजय गुप्ता ट्रस्टी थे और उनके ससुर धर्म नारायण शर्मा की सेवा करते थे। ससुर के निधन के बाद उन्होंने ट्रस्ट पर अपना एकाधिकार स्थापित कर बाबा नीब करौरी के पैतृक मकान पर कब्जा कर लिया। मनोज रावत ने जिलाधिकारी से मामले में कार्रवाई करने, पैतृक संपत्ति वापस दिलाने और मकान को मुक्त कराने की मांग की।

काबू में आनी शुरू हुई चीनी की कीमतें, तीन रुपये तक गिरे दाम; सीएम ने दोहराया राज्य में कमी नहीं

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में चीनी के दाम काबू में आने शुरू हो गए हैं। सीएम योगी की सख्त अपील और निर्यात नियमों में ढील के बाद यह बदलाव देखा जा रहा है। जानकारों के अनुसार जल्द ही कीमतें सामान्य हो जाएंगी।

चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे कम उत्पादन के साथ कालाबाजारी भी बड़ी वजह बनकर सामने आई है। महाराष्ट्र और कोलकाता से बढ़ी मांग के कारण बाजार में कालाबाजारी बढ़ी। यूपी सरकार ने सख्ती करते हुए चीनी मिलों और स्टॉकिस्टों के यहां जांच शुरू की तो दो दिन में प्रदेश भर में थोक कीमतों में 200-300 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आ गई। यानी रेट में 2-3 रुपये प्रति किलो की कमी हुई है। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के मुताबिक प्रदेश की चीनी मिलों में करीब 180 लाख क्विंटल स्टॉक है। प्रदेश में हर महीने लगभग 40 लाख क्विंटल चीनी की खपत होती है। विभाग का दावा है कि नए पेराई सत्र यानी नवंबर तक चीनी की कमी नहीं होगी।

विभागीय सूत्रों के अनुसार करीब एक महीने पहले महाराष्ट्र में चीनी की कमी होने पर वहां और कोलकाता के बड़े स्टॉकिस्ट व डीलरों ने उत्तर प्रदेश से चीनी खरीदना शुरू किया। बड़े खरीदारों ने 4000-5000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मिलों में खरीद के टेंडर डाले। अचानक बढ़ी मांग और नए ऑर्डर से मिलों ने भी कीमतें बढ़ा दीं। 22 अगस्त को जिन मिलों में चीनी 5100 रुपये प्रति क्विंटल थी, वहां 23 अगस्त तक भाव लगभग 4800 रुपये हो गए।

मिल से चीनी उठने से ग्राहक तक पहुंचने में केवल 5-6 रुपये प्रति किलो का अंतर आता है लेकिन एक महीने में मिलों ने 600-700 रुपये प्रति क्विंटल तक अतिरिक्त कमाई की। बिचौलियों ने 1000-1500 रुपये प्रति क्विंटल तक मुनाफा कमाया। इसी वजह से अब अभियान चलाया जा रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी 140 करोड़ देशवासियों का भी पेट भरने की क्षमता रखता है। यूपी में चीनी की कोई कमी नहीं है।

जिम से निकलते ही बरसीं गोलियां, हरियाणवी गायक अभिनेता अंकित बालियान की हत्या

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी संगीत और मनोरंजन जगत से जुड़े गायक एवं अभिनेता अंकित बालियान की शामली में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात थाना कोतवाली शामली क्षेत्र में हुई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

जानकारी के अनुसार अंकित बालियान शामली के गांव बंतीखेड़ा के मूल निवासी थे और हरियाणा के रोहतक तथा सोनीपत में रहकर गायक एवं अभिनेता के रूप में काम कर रहे थे। बताया गया कि वह जिम से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान तीन से चार अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से अंकित बालियान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही कोतवाली शामली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

हरियाणवी गीतों से बनाई पहचान

अंकित बालियान ने हरियाणवी संगीत जगत में अपनी पहचान बनाई थी। उनका चर्चित गीत हुक्मी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान, जज के भी आवेंगे पसीनेह काफी लोकप्रिय हुआ था। रोहतक और सोनीपत में रहकर वह संगीत और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय थे।

पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह ने बताया कि डायल-112 के माध्यम से अंकित बालियान को जिम से निकलते समय तीन-चार अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारे जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के शीघ्र अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई हैं। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

रिमझिम बारिश से गर्मी से मिली राहत, दो दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम

कानपुर, एजेंसी। झारखंड में बने निम्न दबाव के असर से कानपुर परिक्षेत्र में मंगलवार को दिन भर रिमझिम बारिश होती रही। घने बादल छाए रहने की वजह से धूप नहीं निकली। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की मौसम वेधशाला में सन 2000 के बाद अगस्त में ऑवर शून्य रिकॉर्ड किए गए। निम्न दबाव वाले क्षेत्र नमी आने की वजह से दो दिन तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। रिमझिम के साथ तेज और मध्यम बारिश की भी संभावना है।

बादलों की श्रृंखला इस समय देहरादून से पलामू तक जा रही है। यह वाराणसी समेत प्रदेश के कई जिलों से गुजर रही है। इससे लगातार नमी बनी हुई है। झारखंड के निम्न दबाव के क्षेत्र इसके प्रभाव को बढ़ा रहा है। इस नमी 90 प्रतिशत से अधिक बनी हुई।

बर्रा में सबसे तेज हुई बारिश : मंगलवार को सबसे अधिक बारिश बर्रा क्षेत्र में हुई है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि बर्रा में 4.1 मिमी दर्ज की गई। सीएसए में 2 मिमी, कंपनी बाग क्षेत्र में 2.8 मिमी, काकादेव में 3.4 मिमी, नौबस्ता में 2.9 मिमी और सिविल लाइंस में 3.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

पीलीभीत बाइपास पर हर चौराहे को मिलेगी विशिष्ट पहचान

बरेली , एजेंसी। व्यस्तम मार्गों में से एक पीलीभीत बाइपास को नाथ कॉरिडोर की थीम पर विकसित किया जाएगा। इस सड़क को छह लेन का बनाने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है। परियोजना को मुख्यमंत्री के नाथ कॉरिडोर विजन के साथ जोड़ते हुए विकसित किया जा रहा है। बीडीए की उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने मंगलवार को मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता समेत प्राधिकरण की पूरी तकनीकी टीम के साथ रोड का निरीक्षण किया।

उन्होंने डोहरा रोड चौराहा, वनखंडी नाथ चौराहा और सौ फुटा तिराहा का निरीक्षण किया। लोगों को जाम से बचाने के लिए मंथन किया गया। इन तीनों ही जगहों का कायाकल्प भी किया जाएगा।

मार्ग पर पारंपरिक और आधुनिक संयोजन वाली नाथ थीम आधारित विशेष प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। राहगीरों और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए जगह-जगह सुंदर फोकस दीवारें, प्रतीकात्मक स्थापत्य कला और विशिष्ट आइकॉनिक एलिमेंट्स स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक चौराहे को उसकी भौगोलिक स्थिति और ट्रैफिक की आवश्यकता के अनुसार एक अनूठी और विशिष्ट पहचान प्रदान की जाएगी।

सौम्या पांडे ने बताया कि सौ फुटा तिराहे को एक विशिष्ट एवं आकर्षक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

कराटे खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण समेत 15 पदक जीते

अलीगढ़ , एजेंसी। तीसरी वर्ल्ड मॉर्डन शूतोकन कराटे फेडरेशन (डब्ल्यूएमएसकेएफ) ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में अलीगढ़ के खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण समेत 15 पदक जीते। यह चैंपियनशिप केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में आयोजित हुई। कराटे टेंपल वॉरियर्स के 20 खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा लिया। इनमें भूमि सिंह, सुरभि चौधरी, वंशिका गौड़, दिव्या चौधरी, दर्श वर्मा, आयुष सिंह और अमन राजपूत ने स्वर्ण पदक जीता।

महक चौधरी, ईसा रहमान और मोहम्मद वसीम आरिफ ने रजत पदक जीता। अनन्या सिंह, सना फैजी, हर्षित मालन, हर्षित तिवारी और एक अन्य खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता।

स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेताओं को सम्मानित किया गया। अलीगढ़ कराटे डू एसोसिएशन के महासचिव मिर्जा वसीम बेग, नरेश कुमार, सुरभी चौधरी और जुबैर खान को कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव क्योशी जसपाल सिंह ने सम्मानित किया।

जिला ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मजहर उल कमर ने कहा कि खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, अकबर रजा, कोषाध्यक्ष मोहम्मद शादाब, सैयद काशिफ अली, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद तालिब शमीम, सोनिया, खुशी शर्मा आदि मौजूद रहे।

सीएम से की कोल तहसील परिसर की सड़कों को ऊंचा करने की मांग

अलीगढ़ , एजेंसी। कोल तहसील परिसर की सड़कों को जीटी रोड से ऊंचा उठाकर सीमेंटेड सड़क का निर्माण कराए जाने की मांग मुख्यमंत्री तक पहुंची है। इस संबंध में विधायक डा. जयवीर सिंह, डा. रवेंद्र पाल सिंह और एमएलसी चौ. ऋषिपाल सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले।

विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने पत्र सौंपकर सीएम को बताया कि वर्तमान में तहसील परिसर की सड़कें जीटी रोड की तुलना में काफी नीची हो चुकी हैं, जबकि जीटी रोड अधिक ऊंचाई पर निर्मित है। इस तकनीकी अंतर के कारण समस्याएं सामने आ रही हैं। वर्षा के समय गंदे नाले के ओवरफ्लो हो जाने के कारण तहसील परिसर में भारी जलभराव हो जाता है। इस कारण तहसील परिसर में आने वाले वादकारियों, वकीलों और आम नागरिकों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या के स्थायी और ठोस समाधान के लिए विधायक ने मांग की है कि तहसील परिसर की समस्त सड़कों को जीटी रोड के स्तर से उचित ऊंचाई तक उठाया जाए। इसके बाद वहां मजबूत सीमेंटेड सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश या नाले के ओवरफ्लो होने पर भी परिसर में पानी न रुके और लोगों का आवागमन सुगम बना रहे।

रक्षाबंधन पर लखनऊ-चंडीगढ़ और हरिद्वार-लखनऊ के बीच विशेष ट्रेनें

बरेली , एजेंसी। रक्षाबंधन पर रेलवे बरेली होकर लखनऊ-चंडीगढ़ और हरिद्वार-लखनऊ के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। इसके अलावा कई ट्रेनों में स्लीपर श्रेणी के अतिरिक्त कोच भी लगाए जाएंगे। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 04546 चंडीगढ़-लखनऊ विशेष ट्रेन चंडीगढ़ से 27 अगस्त को शाम 7:40 बजे चलने के बाद अगले दिन तड़के पांच बजे बरेली आएगी। 9:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। 04545 लखनऊ-चंडीगढ़ विशेष ट्रेन 28 अगस्त को दोपहर एक बजे लखनऊ से चलने के बाद शाम 7:50 बजे बरेली आएगी और रात 2:10 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। हरिद्वार-देहरादून के बीच 27 से 29 अगस्त तक रक्षाबंधन विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा।

बारावफात के जुलूस मार्गों पर कड़ा सुरक्षा घेरा, ड्रोन से रहेगी नजर

आगरा, एजेंसी। आगरा में बारावफात, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी समेत अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए पुलिस ने सुरक्षा प्लान बनाया है। नगर को 6 जोन और 18 सेक्टर में बांटा गया है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। बारावफात के जुलूस मार्ग पर पुलिस के साथ पीएसी भी रहेगी। रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को सभी एसीपी के साथ समीक्षा बैठक की। कहा कि यक्ष एप पर अपराधियों का डाटाबेस तैयार किया जाए। समन-नोटिस की तामील की कार्रवाई एप के माध्यम से की जाए। विवेचनाओं का समय पर निस्तारण किया जाए। साइबर अपराध रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। पूर्व में जेल से रिहा हुए अपराधियों की निगरानी की जाएगी।

आईजीआरएस पर मिलने वाली शिकायतों का निस्तारण समय पर किया जाए। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पाट की पहचान करें। यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि बुधवार को बारावफात है। इसके बाद रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के त्योहार हैं। इसको देखते हुए पुलिस अलर्ट रहे। डीजे लगाने वालों के साथ बैठक करें। तेज आवाज में गाने नहीं बजाए जाएं। आयोजकों और धर्म गुरुओं से बात की जाए।

तालाबों की जमीन पर निर्माणों का जीआईएस सर्वे कराएगा बीडीए

बरेली , एजेंसी। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने तालाबों की जमीन पर हुए अवैध निर्माणों का पता लगाने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। नगर निगम की तर्ज पर यह भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित सर्वे जल्द शुरू होगा। इससे तालाबों का भू-उपयोग बदलकर खड़ी की गई इमारतों का खुलासा हो सकेगा। जीआईएस सर्वे में तालाबों की वास्तविक स्थिति, क्षेत्रफल और सीमाओं का डिजिटल रिकॉर्ड बनेगा। मौके पर मौजूद निर्माणों का भी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इस जानकारी का राजस्व और प्राधिकरण के अभिलेखों से मिलान होगा। इससे दर्ज जमीन और मौके पर हुए निर्माण के बीच का अंतर पता चलेगा।

वरिष्ठ महिलाओं को नि:शुल्क बस यात्रा का उपहार, नोएडा में योजना का सजीव प्रसारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। प्रदेश की 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ से लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ किया। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-96 स्थित सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का संबोधन देखा और सुना।

कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील शर्मा, जिला पंचायत प्रशासक अमित कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इससे वरिष्ठ महिलाओं को आवागमन में सुविधा के साथ आर्थिक राहत भी मिलेगी। योजना को महिला सम्मान, सुविधा और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार ने सभी माताओं, बहनों और बेटियों के लिए भी 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके माध्यम से महिलाएं पर्व के दौरान मायके और अन्य स्थानों तक बिना यात्रा खर्च के आवागमन कर सकेंगी।

सजीव प्रसारण के बाद मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना वरिष्ठ महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। कार्यक्रम के अंत में मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं को साड़ी और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया। महिलाओं ने योजना को उपयोगी और सराहनीय पहल बताया।

लायंस क्लब गौरव ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव, ज्योति साहनी बनीं तीज क्वीन

हापुड़ (शिखर समाचार)। हरियाली तीज के अवसर पर लायंस क्लब हापुड़ गौरव की ओर से बुधवार को रंगारंग तीज उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पारंपरिक हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने गीत-संगीत, सावन के झूलों, मेहंदी और विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण तीज के उल्लास और पारंपरिक रंगों से सराबोर नजर आया। क्लब की अध्यक्ष रेखा सिंह, सचिव अधिवक्ता ज्योति और कोषाध्यक्ष आराधना बाजपई के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता में क्लब की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। निर्णायकों ने विभिन्न गतिविधियों के आधार पर ज्योति साहनी को तीज क्वीन के खिताब से सम्मानित किया। उनके नाम की घोषणा होते ही सदस्यों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया और बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीषा शर्मा का विशेष योगदान रहा। क्लब की अध्यक्ष रेखा सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि तीज जैसे पर्व महिलाओं को मिलकर खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर डॉ. आराधना बाजपई, मनीषा शर्मा, सिमरन गोयल, शालू ग्रोवर, पारुल जिंदल, ममता अरोड़ा, मिली सिंह, नीरू मित्तल, शालिनी चौधरी, पूनम शर्मा, उर्मिला, शिल्पा त्यागी, मंजू बंसल सहित क्लब की अन्य सदस्याएं मौजूद रहीं।

रक्षाबंधन पर 500 महिलाओं को साड़ी और मिठाई वितरित, निशुल्क बस यात्रा योजना की दी जानकारी

शामली (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह और जनप्रतिनिधियों ने 500 महिलाओं को साड़ी एवं मिठाई वितरित की। इस दौरान महिलाओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में प्रदेश स्तर पर आयोजित समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन को महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा तथा सुना। कार्यक्रम में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा सुविधा प्रदान करने वाली लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारंभ की जानकारी दी गई। राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए लगातार

कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर माताओं, बहनों और बेटियों को सहयात्री सहित निशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उन्होंने महिलाओं से सैनिकों, पूर्व सैनिकों और पुलिसकर्मियों को भी रक्षा सूत्र बांधने का आह्वान किया, जो परिवार से दूर रहकर देश और समाज की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं। मंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को मायके और ससुराल के बीच आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने सरकार की महिला कल्याण योजनाओं और मिशन शक्ति अभियान की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में एमएलसी वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, जिलाधिकारी आलोक यादव, कांधला ब्लॉक प्रमुख विनोद मलिक और शामली ब्लॉक प्रमुख जयदेव मलिक सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह, रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन अनुराग शर्मा ने किया।

वाहन स्क्रैपिंग नीति की समस्याओं पर हापुड़ में मंथन, राष्ट्रीय स्तर पर संगठन बनाने का निर्णय

हापुड़ (शिखर समाचार)। वाहन स्क्रैपिंग नीति से जुड़ी समस्याओं और जमीनी स्तर पर आ रही दिक्कतों को लेकर सोमवार को शहर के मनोहर हेरिटेज में आरवीएसएफ एसोसिएशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन सेवन एक्कायर एंटरप्राइजेज के सौजन्य से हुआ, जिसकी अध्यक्षता कंपनी के मालिक हिमांशु गोयल ने की। बैठक में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड सहित कई राज्यों से आए 70 से अधिक पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में वाहन स्क्रैपिंग नीति के क्रियान्वयन के दौरान सामने आ रही समस्याओं और जमीनी परिस्थितियों को साझा किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्र सरकार की वाहन स्क्रैपिंग नीति का उद्देश्य पुराने और अनुपयोगी वाहनों को व्यवस्थित तरीके से हटाकर प्रदूषण कम करना है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में स्थानीय स्तर पर कई व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं की जानकारी संबंधित स्तर तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत संगठन गठित करने का निर्णय लिया गया। संगठन के गठन और आगे की प्रक्रिया की जिम्मेदारी हिमांशु गोयल को सौंपी गई।

हिमांशु गोयल ने कहा कि दीपावली के बाद अखिल भारतीय स्तर पर बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर के पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्रों, पुनर्चक्रण इकाइयों और भारत सरकार के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठक के माध्यम से वाहन स्क्रैपिंग, पुनर्चक्रण और प्रदूषण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक साझा मंच तैयार करने का प्रयास किया जाएगा।

किसानों के धरने को बार एसोसिएशन जेवर का समर्थन, मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान

जेवर (शिखर समाचार)। तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने को बार एसोसिएशन जेवर ने अपना समर्थन दिया है। अधिवक्ताओं ने किसानों की मांगों को जायज बताते हुए आंदोलन में उनके साथ मजबूती से खड़े रहने की बात कही। बार एसोसिएशन की ओर से जारी समर्थन पत्र में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी पवन चौरौली के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन की मांगों का समर्थन किया गया है। बार एसोसिएशन ने कहा कि किसानों की मांगें क्षेत्र की जनता की सुविधाओं और अधिकारों से जुड़ी हैं। प्रमुख मांगों में जेवर क्षेत्र के दोनों छोटे टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों के आधार कार्ड को ही पास के रूप में मान्य कर नि:शुल्क आवागमन की सुविधा देना तथा जेवर रजिस्ट्री कार्यालय के पास एक्सप्रेसवे पर दोनों तरफ सीढ़ियों का निर्माण कराना शामिल है। समर्थन पत्र में बार एसोसिएशन जेवर ने आंदोलन को पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की है। अधिवक्ताओं ने कहा कि किसानों की मांगें पूरी होने तक वे उनके संघर्ष में साथ खड़े रहेंगे। किसानों का कहना है कि इन समस्याओं से केवल किसान ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के नौजवान, व्यापारी और आम जनता भी प्रभावित है।

किसान नेताओं ने बार एसोसिएशन के समर्थन का स्वागत करते हुए सभी अधिवक्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज के समर्थन से आंदोलन को मजबूती मिली है। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना और संघर्ष जारी रहेगा।

जमीन के विवाद में चचेरे भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद में चचेरे भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था।

प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि बिहार के रमई गांव निवासी शाहिद और इमरान आपस में चचेरे भाई हैं तथा वर्तमान में कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में किराये पर रह रहे थे। दोनों के परिवारों के बीच गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी।

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को जमीन के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद हुआ। कहासुनी के बाद दोनों खाना खाकर सो गए। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर इमरान ने शाहिद पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए तीन टीमों का गठन किया। पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। बुधवार को पुलिस ने जांच के दौरान नगर के रेलवे रोड स्थित आरओबी पुल के समीप से इमरान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य का गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य का लखनऊ जाते समय गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने उत्साह के साथ अमरपाल मौर्य का अभिनंदन किया और उन्हें पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत किया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कार्यकताओं की ओर से अमरपाल मौर्य का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ओबीसी मोर्चा संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस दौरान कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती और पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। स्वागत के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में कार्यकताओं में खासा उत्साह नजर आया। भाजपा कार्यकताओं ने अमरपाल मौर्य के समर्थन में नारे लगाए और उनके साथ कुछ समय बिताकर संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। कार्यकताओं ने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। स्वागत कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में उत्साह और जोश का माहौल बना रहा। इस अवसर पर महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा, प्रदीप चौहान, महानगर उपाध्यक्ष सचिन डेढ़ा, राजन वाल्मीकि, राम त्यागी, भानु सिसोदिया, वेद प्रकाश जाटव, संदीप चौधरी, नीरज शर्मा, ललित कश्यप और राजेश चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक, 2027 चुनाव की तैयारियों पर हुआ मंथन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला कांग्रेस कमेटी और महानगर कांग्रेस समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को प्रताप विहार स्थित जेकेजी इंटर कॉलेज में संगठन सृजन अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव संजीव आर्य ने वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव लिए। बैठक में आगामी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

संजीव आर्य ने कहा कि कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं से व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने, समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने तथा स्थानीय स्तर पर जनसमस्याओं को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य केवल संगठन में पदों का विस्तार करना नहीं, बल्कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत और सक्रिय बनाना है।

उन्होंने कार्यकताओं से आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने के साथ सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और प्रभावशाली लोगों से निरंतर संपर्क स्थापित करने पर जोर दिया। कांग्रेसजनों ने अपने सुझाव देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का संकल्प लिया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि गाजियाबाद में कांग्रेस संगठन मजबूती से कार्य कर रहा है और जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं और जनता के बीच जाकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनेंगे। बैठक में महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव, लोकेश चौधरी, हरेंद्र कसाना, विनीत त्यागी, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, डॉ. संजीव शर्मा, नवीन पोल, खुर्शीद आलम, रूबी मलिक, हरेंद्र बाबा, सुरेंद्र शर्मा, राजकुमार शर्मा, राजेश गुप्ता, आशीष शर्मा, बीएस नेगी, शशि भूषण शर्मा, पुनीत लव, रवि शंकर, सूर्यचंद्र पाल सिंह, विश्वदीप त्यागी, अश्वनी त्यागी, सतीश त्यागी, डॉली त्यागी, रिजवान मलिक, रिजवान सैफी, इरफान, सीमा और सविता गौतम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के बाद सुझावों के आधार पर आगामी रणनीति और कार्ययोजना तैयार करने की बात कही गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की जनपद न्यायाधीश ने की समीक्षा, अधिकतम वाद निस्तारण के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 12 सितंबर 2026 को जनपद मुख्यालय और सभी तहसील न्यायालयों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बुधवार को न्यायालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में न्यायिक अधिकारियों के साथ लोक अदालत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जनपद न्यायाधीश ने अधिक से अधिक वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने और पक्षकारों को समय से सूचना देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक विवाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, दीवानी वाद, मोटर वाहन अधिनियम और ई-चालान से संबंधित मामले, मध्यस्थता संबंधी मामले तथा लघु शमनीय अपराधों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138, विद्युत अधिनियम, भू-राजस्व, सेवा एवं पेंशन, श्रम और अन्य प्रकृति के मामलों को भी आपसी सहमति से निस्तारित कराने का प्रयास किया जाएगा।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक ऋण, विद्युत बिल, बीएसएनएल बिल सहित विभिन्न मामलों का भी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। जनपद न्यायाधीश ने लोक अदालत को सफल बनाने के लिए न्यायिक अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई करने तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रथम अपर जिला जज सुनील कुमार, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, अपर जिला जज अभिषेक पाण्डेय, सौरभ द्विवेदी, सतेन्द्र सिंह, संदीप चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिकेष पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

72 घंटे में मथुरा में मांस मदिरा पर प्रतिबंध नहीं तो 30 अगस्त को कूच करेगा विश्व हिंदू रक्षा परिषद

लखनऊ (शिखर समाचार)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और परिक्रमा मार्ग पर मांस एवं मदिरा की दुकानों को हटाने की मांग को लेकर प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। गोमती नगर में आयोजित प्रेस वार्ता में परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि निर्धारित समय में संतोषजनक निर्णय नहीं होने पर परिषद के पदाधिकारी 30 अगस्त को मथुरा कूच कर आंदोलन करेंगे।

गोपाल राय ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे पवित्र धार्मिक क्षेत्र और परिक्रमा मार्ग पर मांस एवं मदिरा की दुकानों का संचालन श्रद्धालुओं की भावनाओं को प्रभावित करता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि धार्मिक क्षेत्र की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ऐसी दुकानों को परिक्रमा मार्ग से हटाने के संबंध में तत्काल प्रभावी निर्णय लिया जाए।

उन्होंने कहा कि यदि 72 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो विश्व हिंदू रक्षा परिषद अपने सैकड़ों पदाधिकारियों के साथ 30 अगस्त को मथुरा के लिए प्रस्थान करेगा। परिषद का कहना है कि वह धार्मिक स्थलों की मयार्दा, सनातन संस्कृति और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाती रहेगी। गोपाल राय ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर और काशी में बाबा विश्वनाथ धाम के विकास का उल्लेख करते हुए मथुरा में भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की मांग दोहराई।

प्रेस वार्ता में गोपाल राय ने बताया कि चार अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि महासम्मेलन एवं सनातन गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदर सिंह बिट्टा तथा विधायक राजेश्वर सिंह को आमंत्रित किए जाने की जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि परिषद का विभिन्न देशों में विस्तार किया जा रहा है और अब तक 21 देशों में राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए जा चुके हैं। परिषद का उद्देश्य विश्वभर में सनातन संस्कृति, हिंदू समाज और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों को उठाना तथा समाज को संगठित करना है। प्रेस वार्ता में परिषद की सचिव रचना गौतम भी मौजूद रहीं।

संपादकीय

नेपाल की त्रासदी में भारत की चिंता और हिमालयी आपदा का बढ़ता खतरा

नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी की अचानक आई भयावह बाढ़ ने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्र की नाजुकता, आपदा प्रबंधन की तैयारियों और भारत नेपाल के मानवीय रिश्तों को केंद्र में ला दिया है। 26 अगस्त की सुबह आई इस प्राकृतिक आपदा ने देखते ही देखते नदी किनारे बसे इलाकों, सड़कों, पुलों, सीमा चौकी, मकानों और ऊर्जा परियोजनाओं को अपनी चपेट में ले लिया। सबसे अधिक चिंता इस बात को लेकर है कि नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार 384 यात्रियों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक हैं। विदेशी यात्रियों में 105 भारतीय बताए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की है।

दुर्घटना के शुरूआती घंटों में मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही और बचाव दलों ने अलग अलग स्थानों से शव बरामद किए। ताजा रिपोर्टों में मृतकों की संख्या बढ़ने की सूचना है, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। नेपाल की सेना, सशस्त्र पुलिस और नेपाल पुलिस ने व्यापक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। हेलीकॉप्टर, ड्रोन और अन्य संसाधनों की मदद ली जा रही है। लेकिन ऊबड़ खाबड़ पहाड़ी भूभाग, मलबे से अवरुद्ध रास्ते और क्षतिग्रस्त संचार व्यवस्था बचाव कार्य को बेहद कठिन बना रहे हैं।

इस त्रासदी का सबसे संवेदनशील पहलू भारतीय नागरिकों की बड़ी संख्या में गुमशुदगी है। नेपाल भारत का पड़ोसी ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से गहरे रिश्तों वाला देश है। हर वर्ष बड़ी संख्या में भारतीय श्रद्धालु नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए आगे बढ़ते हैं। इसलिए 105 भारतीय यात्रियों से संपर्क टूटना केवल एक विदेशी आपदा की खबर नहीं है, बल्कि भारत के परिवारों की चिंता और बेचैनी से जुड़ा मानवीय संकट है। भारतीय दूतावास ने नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क कायम करते हुए प्रभावित भारतीय नागरिकों की जानकारी और बचाव के प्रयास तेज किए हैं।

भारत के लिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि नेपाल सरकार के साथ हर स्तर पर समन्वय बढ़ाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नेपाल को मानवीय सहायता और बचाव सहयोग का भरोसा दिया है। ऐसे समय में कूटनीतिक औपचारिकताओं से अधिक महत्व जीवन बचाने का है। यदि भारतीय बचाव विशेषज्ञों, चिकित्सकीय दलों, वायुसेना या अन्य तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता हो तो भारत को बिना विलंब नेपाल की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए। भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने संबंधों की वास्तविक परीक्षा ऐसे ही संकट के समय होती है। इस आपदा की एक और गंभीर चिंता इसका कारण है। शुरूआती सूचनाओं में कभी अचानक बाढ़, कभी हिमनद झील के फटने और कभी भूस्खलन की आशंका जताई गई। बाद की रिपोर्टों में 4.4 तीव्रता के भूकंप के बाद बर्फ और चट्टानों के बड़े हिस्से के खिसकने से नदी का मार्ग बाधित होने और फिर अचानक पानी का दबाव टूटने की संभावना सामने आई है। नेपाल के अधिकारियों ने कारण की पुष्टि के लिए जांच जारी रखी है। यदि वास्तव में भूकंप के झटके के बाद हिमस्खलन या चट्टानी अवरोध से यह जलप्रलय आया है तो यह घटना हिमालयी आपदा की जटिल प्रकृति को समझने के लिए महत्वपूर्ण चेतावनी है। सबसे बड़ी सीख यह है कि हिमालय को केवल पर्यटन और धार्मिक यात्राओं के लिए सुविधाजनक मार्ग के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी वाला क्षेत्र है, जहां नदियों का प्रवाह, ग्लेशियरों की स्थिति, भूस्खलन, भूकंपीय गतिविधियां और मौसम में बदलाव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में बर्फ और ग्लेशियरों के व्यवहार में बदलाव तथा अत्यधिक मौसम घटनाओं का जोखिम बढ़ रहा है। ऐसे में सड़क, पुल, होटल, ऊर्जा परियोजनाएं और सीमा व्यापार से जुड़े निर्माण कार्य करते समय पर्यावरणीय जोखिम को प्राथमिकता देना जरूरी है।

~ मौलिक चिंतन ~

जो जानता और मानता है कि वह कुछ नहीं जानता, वही तो सबसे ज्यादा जान पाता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

आतंकवाद के लिए खाद पानी है नशीले द्रव्यों की तस्करी!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी देश की आंतरिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर संकट बन चुकी है। भौगोलिक रूप से भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों - पश्चिम में गोल्डन क्रेसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। इस संवेदनशील स्थिति के कारण देश में सीमा पार से बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की आमद हो रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी में भारत की भौगोलिक स्थिति भी खासा जिम्मेदार है पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से सटी खुली और जटिल जमीनी सीमाएं निगरानी के लिए एक बड़ी चुनौती है ।तस्करों द्वारा गुजरात और दक्षिणी राज्यों के विशाल तटीय क्षेत्रों का दुरुपयोग किया जा रहा है ।अब नशे के सौदागर तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं डार्कनेट क्रिप्टो करेंसी और सीमा पार से ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का बढ़ता प्रयोग खतरा बढ़ा रहे हैं वहीं पारंपरिक अफीम-गांजे के स्थान पर हेरोइन, कोकीन और मेथामफेटामाइन जैसे घातक रसायनों सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता चलन भी समस्या बन रहा है।

आपको बता दें कि देश में नशे और नशीले पदार्थों की तस्करी ने एक बार फिर केन्द्र और राज्यों की सरकारों को स्तब्ध किया है। नशीले पदार्थों की यह तस्करी का बड़ा हिस्सा पड़ोसी देश पाकिस्तान के माध्यम से सीमा पार से ड्रोनों के जरिये किया जाता है। नशे को लेकर किये गये एक व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तान एक प्रकार से नशीले पदार्थों के भण्डारण का केन्द्र बन गया है जहां से इन पदार्थों का बहुत बड़ा भाग भारत के पंजाब प्रांत में ड्रोनों के जरिये खपाया जाता है। भारत से फिर यह सामान तस्करी के जरिये कई अन्य देशों में भेजा जाता है जहां इसकी बड़ी मांग होती है। पाकिस्तान से भारत में पंजाब सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी यूं तो दशकों पूर्व से की जाती आ रही है। कभी नावों के माध्यम से, कभी सुरंगों के जरिये पाकिस्तानी पंजाब के सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम और हेरोइन की तस्करी की जाती रही है। तथापि, आजकल नावों का कार्य ड्रोनों से लिया जाने लगा है। ड्रोनों के जरिये पाकिस्तानी सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम, हेरोइन के साथ हथियारों की खेप भेजना जैसे आम बात हो गई है।वैसे तो नशे के लिए अफीम, चरस, कोकीन आदि अनेकानेक द्रव्यों एवं पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है किन्तु वर्तमान में हेरोइन सर्वोत्तम नशीला पदार्थ बन गया है। हाल ही में एक और बड़ा खतरनाक नशीला पदार्थ आईस भी बड़ी चर्चा में आया है। विगत कई वर्षों से हेरोइन की तस्करी और इसके सेवन की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। इसका बड़ा प्रमाण इस एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दिनों सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकसी होने के बावजूद तस्करी से बरामद होने वाली खेपों की संख्या और मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए तस्करों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाने लगा है। सीमा सुरक्षा बलों की निरन्तर चौकसी और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले पांच वर्षों में पंजाब सीमा पर ड्रोन तस्करी की घटनाएं बढ़ कर तीन से 304 प्रति वर्ष तक हो गई हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में स्थितियों की गम्भीरता को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा की गई इस एक कठोर टिप्पणी से बेहतर समझा जा सकता है कि नशे का यह सम्पूर्ण कारोबार महज एक आपराधिक कार्य मात्र नहीं रह गया, अपितु राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

यूं तो नशे के सेवन और नशीले पदार्थों की तस्करी से गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल, चंडीगढ़, राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रदेश बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं किन्तु पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है। प्रदेश के युवाओं में नशे की समस्या एक गम्भीर संकट के रूप में उभर रही है। पंजाब सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रदेश का पुलिस तंत्र युवाओं को इस महारोग से बचाने के लिए भरसक यत्न कर रहा है किन्तु यह समस्या एक ऐसे बिगड़ैल घोड़े के समान हो गई है कि जिसकी नाक में आसानी से नकेल नहीं डाली जा सकती।

अभी हाल में अमृतसर के थाना लोपोके क्षेत्र में सीमा पार से आई लगभग 180 करोड़ रुपये की 19 किलो हेरोइन के साथ महिला सहित तीन तस्करों को हिरासत में लिया गया। नशा तस्करी में यह भी एक नई प्रवृत्ति सामने आई है कि अवयस्क बालकों को थोड़े से लालच के वशीभूत इस गैर-कानूनी कार्य में शामिल किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों की शमूलियत से इस अवैध क्रिया-कलाप को एक नया मोड़ मिला है। पिछले कुछ समय में पंजाब में पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े कई अवयस्कों और महिलाओं को भी हिरासत में लिया है। प्रदेश सरकार ने अपने ऑपरेशन प्रहार के दौरान लगभग 4000 तस्करों-गैंगस्टरों को गिरफ्तार भी किया है। इतने बड़े स्तर पर तस्करों की गिरफ्तारी, इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की खेपों की बरामदगी से तस्करी पर काबू पाये जाने की सम्भावना बनती है, किन्तु इतनी बड़ी बरामदगी और बड़े स्तर पर युवाओं और अव्यवस्कों की भागीदारी से इस कारोबार की भीषणता भी जाहिर होती है। पंजाब सरकार के प्रहार अभियानों और प्रदेश के पुलिस तंत्र की सक्रियता से बेशक प्रदेश के लोगों के मन में आशा और विश्वास की एक लकीर उपजते दिखाई देती है, किन्तु हम समझते हैं कि लक्ष्य एवं उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाना भी बहुत जरूरी है। पुलिस तंत्र की सक्रियता कागजों में भी हो, किन्तु धरातल पर उसे दिखाई भी अवश्य देना चाहिए। कानून के हाथ लम्बे होते हैं, किन्तु ये हाथ अपराधियों और तस्करों के गिरेबान तक पहुंचने भी तो चाहिएं। कुछ भी हो अथवा कुछ भी किया जाए, देश को नशीले पदार्थों की तस्करी की इस लानत से मुक्ति मिलनी चाहिए।

देश की कामकाजी आबादी खासकर युवा और कालेज छात्र छात्राएं स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आकर मानसिक और शारीरिक रूप से पंगु हो रहे हैं।नारको-टेररिज्म जड़ जमा रहा है। ड्रग्स की तस्करी से होने वाली अवैध कमाई का इस्तेमाल सीधे तौर पर भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद की फंडिंग में किया जाता है। नशे की दैनिक तलब पूरी करने के लिए युवा चोरी, लूटपाट और संगठित अपराधों के रास्ते पर जा रहे हैं। अवैध काले धन और हवाला कारोबार के कारण देश की मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार को नशीले द्रव्यों की तस्करी और उसके कारण हो रही बबार्दी का भान नहीं है सरकार ने इस ओर नियंत्रण के लिए की प्रभावी कदम उठाए हैं। खुद प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्रीय संबोधन में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और नशे के दुष्परिणामों से युवाओं को आगाह किया है। भारत सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है. गृह मंत्रालय ने अगले 3 वर्षों में देश को पूरी तरह ड्रग-मुक्त बनाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026 - 2029 जारी किया है।हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने यूएई से ?1,000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह बसोया का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण कराया गया है।डिजिटल कवच बनाया गया है नागरिकों की मदद के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 मानस शुरू की गई है, जिस पर लोग सीधे तस्करी की गुप्त सूचनाएं दे सकते हैं। तस्करों की संपत्तियों को कुर्क करने और पीआइटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत आदतन अपराधियों को बिना जमानत जेल में रखने की कार्रवाई तेज कर दी गई है अभी और अधिक असरदार कारवाई और सख्ती की जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपीआई@10: भुगतान की दुनिया में भारत का नया अध्याय

सुनील कुमार महला

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआई यानी कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की एक तत्काल डिजिटल भुगतान प्रणाली है। सरल शब्दों में कहें तो यह वह माध्यम है, जिसके माध्यम से मोबाइल फोन से एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत में यूपीआई को 11 अप्रैल 2016 को तत्कालीन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने मुंबई में लॉन्च किया था। हालाँकि, आम लोगों के लिए यूपीआई सेवाएँ अगस्त 2016 से व्यापक रूप से उपलब्ध हुईं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में यूपीआई ने अपने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत के डिजिटल भुगतान को पूरी तरह बदल दिया है।सच तो यह है यूपीआई आज भारत के दैनिक डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज यूपीआई का उपयोग हर कहीं पर दुकानों और बाजारों में सामान खरीदने, रेस्तरां व होटल के बिल चुकाने, ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी-गैस जैसे उपयोगिता बिलों के भुगतान, रेल-बस-विमान टिकट बुकिंग, स्कूल-कॉलेज की फीस, अस्पतालों में भुगतान तथा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल लेन-देन में यूपीआई का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। यानी आज यूपीआई भारत के दैनिक जीवन में नकद भुगतान के एक आसान, तेज और सुविधाजनक डिजिटल विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि अन्य देशों की तुलना में भारत का यूपीआई डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में असाधारण पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2026 में यूपीआई दुनिया के लगभग 49% रियल-टाइम भुगतान लेन-देन को संभाल रहा है, यानी दुनिया में होने वाले लगभग हर दो तत्काल डिजिटल भुगतानों में एक यूपीआई के माध्यम से होता है। भारत में इसकी मात्रा भी तेजी से बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर करीब 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मई 2026 में अकेले यूपीआई ने 23,201.93 मिलियन यानी लगभग 2,320 करोड़ लेन-देन किए, जिनका कुल मूल्य करीब रू.29.90 लाख करोड़ रहा। इस तुलना में भारत की खासियत यह है कि यूपीआई केवल बड़े शहरों या बड़े कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, ग्रामीण उपभोक्ता और आम नागरिक तक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्ष 2016 में शुरू हुई यह व्यवस्था आज देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। पहले जहां डिजिटल भुगतान सीमित था, वहीं अब चायवाले, सब्जीवाले, छोटे दुकानदार और आम लोग भी आसानी से यूपीआई से पैसे ले-दे रहे हैं। एक दशक में यूपीआई लेन-देन में हुई भारी वृद्धि इसकी लोकप्रियता और लोगों के भरोसे को दिखाती है।यूपीआई से बैंकिंग आसान, तेज और सुविधाजनक हुई है। लोगों को नकदी निकालने के लिए बैंक जाने या लंबी कतार में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। आज पलभर में ही दूर बैठे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं। इतना ही नहीं, नकदी कम रखने से चोरी और लूट का जोखिम भी घटा है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिली है।यूपीआई की सफलता के पीछे डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार भी महत्वपूर्ण रहा है। देश में मोबाइल और ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से डिजिटल भुगतान आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। यही कारण है कि दूसरे देश भी यूपीआई जैसी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं।हालांकि, अभी कुछ चुनौतियां बाकी हैं। बैंक का सर्वर डाउन होना, अधिक ट्रैफिक के कारण भुगतान अटकना और गलती से गलत व्यक्ति को पैसे भेज देना जैसी समस्याएं लोगों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। कुल मिलाकर, यूपीआई केवल पैसे भेजने और लेने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति और आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन चुका है। दस साल की इसकी यात्रा बताती है कि जब तकनीक को आम आदमी की जरूरतों से जोड़ा जाता है, तो

वह समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सच तो यह है कि यूपीआई के दस वर्ष केवल किसी डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के दस वर्ष नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और डिजिटल परिवर्तन की एक उल्लेखनीय यात्रा हैं। इसने भुगतान को सरल, त्वरित और व्यापक बनाया तथा छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक को एक साझा डिजिटल मंच दिया। आज दुनिया के अनेक देश यूपीआई में रुचि ले रहे हैं और कई देशों में इसका उपयोग भी शुरू हो चुका है। यूपीआई ने साबित किया है कि भारत केवल डिजिटल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया को बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य डिजिटल समाधान देने वाला देश भी है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता का अगला पड़ाव केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

निर्मल रानी

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं।

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। यूडीआईएसई अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे फोटो शूट करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग रू.32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग रू.32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Gen Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत का सबसे खतरनाक जंगल सुंदरबन

विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है. पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे. जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं

बड़ा नदी डेल्टा है। बहुत सी प्रसिद्ध वनस्पतियों और प्रसिद्ध बंगाल टाईगर का निवास स्थान है। यह डेल्टा धीरे धीरे सागर की ओर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले कोलकाता सागर तट पर ही स्थित था और सागर का विस्तार राजमहल तथा सिलहट तक था, परन्तु अब यह तट से 15-20 मील (24-32 किलोमीटर) दूर स्थित लगभग 1,80,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ बड़ी तादाद

दलदली द्वीप समूह

बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के मुहाने (शरत) से मेघना नदी के मुहाने (बांग्लादेश) तक 260 किमी तक विस्तृत एक व्यापक जंगली एवं लवणीय दलदली क्षेत्र, जो गंगा डेल्टा का निचला हिस्सा बनाता है, यह 100-130 किमी में फैला अंतर्स्थलीय क्षेत्र है। मुहानों के एक संजाल, लहरों वाली नदियों और अनेक नहरों द्वारा कटी हुई खाड़ियों के साथ इस भूक्षेत्र में घने जंगलों से ढके दलदली द्वीप समूह हैं।

सुंदरी का वन

सुंदरबन नाम संभवतः 'सुंदरी का वन' से लिया गया है, जिसका संबंध ईंधन के लिए मूल्यवान लकड़ी उपलब्ध कराने वाले एक विशाल मैंग्रोव वृक्ष से है। समुद्र तट के साथ वन मैंग्रोव वाले दलदलों में परिवर्तित होते है; दक्षिणी क्षेत्र विभिन्न जंगली जानवरों और घड़ियालों से भरा हुआ है और वस्तुतः निर्जन है। यह बंगाल के शेर का आखिरी संरेक्षित क्षेत्र और बाघ संरक्षण परियोजना का स्थल है। कृषि योग्य उत्तरी क्षेत्र में चावल, गन्ना, लकड़ी और सुपारी की खेती होती है।

में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

सुंदरवन डेल्टा में नदियाँ

सुंदरवन डेल्टा में भूमि का ढाल अत्यन्त कम होने के कारण यहाँ गंगा

मुहाने पर जमा कर देती है जिससे डेल्टा का आकार बढ़ता जाता है और नदी की कई धाराएँ एवं उपधाराएँ बन जाती हैं। इस प्रकार बनी हुई गंगा की प्रमुख शाखा नदियाँ जालंगी नदी, इच्छामती नदी, भैरव नदी, विद्याधरी नदी और कालिन्दी नदी हैं। नदियों के वक्र गति से बहने के कारण दक्षिणी भाग में कई धनुषाकार झीलें बन गयी हैं। ढाल उत्तर से दक्षिण है, अतः अधिकांश नदियाँ उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हैं। ज्वार के समय इन नदियों में ज्वार का पानी भर जाने के कारण इन्हें ज्वारीय नदियाँ भी कहते हैं। डेल्टा के सुदूर दक्षिणी भाग में समुद्र का खारा पानी पहुँचने का कारण यह भाग नीचा, नमकीन एवं दलदली है तथा यहाँ आसानी से पनपने वाले मैंग्रोव जाति के वनों से भरा पड़ा है। यह डेल्टा चावल की कृषि के लिए अधिक विख्यात है। यहाँ विश्व में सबसे अधिक कच्चे जूट का उत्पादन होता है। कटका अभयारण्य सुंदरवन के उन इलाकों में से है जहाँ का रास्ता छोटी-छोटी नहरों से होकर गुजरता है। यहाँ बड़ी तादाद में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

वन्यजीवों के लिए जन्नत है सुंदरबन

सुंदरबन ऐसा वनों से घिरा हुआ इलाका जो वन्य जीव को अपने में संजोए हुए हैं.विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है. पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है.यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे.

जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं जो अपने आप से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगे.तो चलिए जानते हैं

- सुंदरवन का यह नाम इस जंगली इलाके में भारी संख्या में मिलने वाले सुन्दरी पेड़ो से लिया गया है और साथ ही बंगाली भाषा के शब्द शुंदोर का प्रयोग करके इसका नाम सुंदरवन रखा गया.आम भाषा में लोग इस वन को सुंदरबन या सुंदरवन के नाम से जानते है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन का इतिहास 200-300 ईस्वी के आसपास का माना जाता है और इसके प्रमाण बागमरा फारेस्ट ब्लाक में मिले अवशेषों से पता चलता है.
- सुंदरवन कुल 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ एक विस्तृत हरा-भरा जंगली इलाका है. जिसमे से 6000 वर्ग किमी बांग्लादेश में व भारत के हिस्से में 4110 वर्ग किमी आता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन को बंगाल टाइगर का घर भी कहा जाता है उदाहरण के तोर पर 2015 के आंकड़ो के अनुसार सुंदरवन में 180 टाइगर है जिसमे से 106 बांग्लादेश की सीमा में और 74 भारत की सीमा में रहते है.
- सुंदरवन को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया है.
- आपको जानकर हैरानी होगी सुंदरवन में भारत का सबसे बड़ा फिशरी बोर्ड है जहा सुंदरवन डेवलपमेंट बोर्ड 50 हेक्टेयर के इलाके में फिशरी प्रोजेक्ट चलाता है.
- सुंदरवन में विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा पाया जाता हैउदाहरण के तोर पर गंगा और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियों के एकीकरण से बने इस डेल्टा को बंगाल डेल्टा या ग्रीन डेल्टा भी कहते है.
- सुंदरवन का सर्वाधिक हरबरा होने का कारण यहाँ सर्वाधिक होने वाली वर्षा है.इसी कारण इस स्थान को वर्षावन भी खा जाता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन के विशाल डेल्टा में 5-6 द्वीप नही बल्कि 54 छोटे छोटे द्वीपों का समूह है.
- अगर आपको फोटोग्राफी का क्रेज है तो सुंदरवन फोटोग्राफी की चाह रखने वालो के लिए स्वर्ग समान है.क्योंकि इस सुंदर घने जंगल के दृश्यों के साथ ही यहाँ के वन्य जीव आपकी फोटोग्राफी में चार चाँद लगा देंगे.

सुंदरबन और उसकी जैव विविधता

भारतीय प्राणी-विज्ञान सर्वेक्षण ने पहली बार सुंदरबन में पाए जाने वाले जीव-जन्तुओं की विविधता का और उन पर मंडरा रहे खतरों का एक संपूर्ण संग्रह प्रकाशित किया है। उसके अनुसार इस नाजुक द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में 2,626 जीव-जंतु रहते हैं।

'सुंदरबन जैव विविधता के प्राणी समूह' शीर्षक से प्रकाशित इस संग्रह में सुंदरबन की जैव विविधता पर पहली समेकित और अद्यतित जानकारी दी गई है। यह संग्रह अपने आप में एक विश्वकोश जैसी है। इसमें 2,600 प्रजातियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें कुछ मैंग्रोव पारिस्थितिकी की दृष्टि से नई हैं और जलवायु परिवर्तन के खतरों से संकट में जी रहे हैं। सुंदरबन के बारे में अब तक 4,260 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ही जाना जाता था, परंतु इस संग्रह में इसके पूरे 9,630 वर्ग किलोमीटर के दायरे को कवर किया गया है।

सुंदरबन

सुंदरबन पश्चिम बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिले के 19 विकासखण्डों में फैला हुआ है। यह भारत और बांग्लादेश दोनों में फैला हुआ दलदलीय वन क्षेत्र है। यह यहाँ पाए जाने वाले सुन्दरी नामक वृक्षों के कारण प्रसिद्ध है। भारतीय क्षेत्र में स्थित सुंदरबन यूनेस्को (ढगक्ट्टएग) की विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है। यह 9,630 वर्ग किलोमीटर में फैला गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा का हिस्सा है। इस क्षेत्र में 104 द्वीप हैं। यहाँ जीव-जंतुओं की लगभग 2,487 प्रजातियाँ हैं।

यहाँ पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट जीव-जंतु एवं उनकी विशेषताएँ

यहाँ पाए जाने वाले प्रसिद्ध बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) यहाँ के जलीय परिस्थितियों के अनुकूल हो गए हैं। वे तैर भी सकते हैं। यहाँ पाए जाने वाले कुछ जीवों में एशियाई छोटे पंख वाले ऊदबिलाव, गंगा की डॉल्फिन, भूरे और दलदली नेवले और जंगली रीसस बंदर प्रमुख हैं।

यहाँ पक्षियों की 356 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें ऑस्प्रे, ब्राह्मिनी चील और श्वेत पेट वाली समुद्री बाज प्रमुख हैं। इसके अलावा गुलाबी सिर वाला तोता, फ्लाईकेचर, वार्बलर्स और किंगफिशर भी पाए जाते हैं।

कछुए व अन्य जीव

यहाँ कछुओं की 11 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें प्रसिद्ध ऑलिव रिडले कछुआ, हॉस्कबिल समुद्री कछुए और टेरापिन नदी कछुआ प्रमुख हैं। टेरापिन नदी कछुआ मीठे पानी में रहने वाला एक संकटापन्न जीव है। इसके अलावा यहाँ मगरमच्छ, मॉनिटर लेजरड्स, सांपों की 30 प्रजातियाँ एवं कार्टिलैगिनस मछलीयाँ पाई जाती हैं। किंग कोबरा आईयूसीएनकी सुभेद्य सूची में शामिल है। यहाँ के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियों की लगभग 350 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से कार्टिलैगिनस मछलीयाँ, जिनमें अस्थियों के बजाय उपास्थि का कंकाल होता है, 103% तक हैं। सुंदरबन की समृद्धि का एक और संकेत यहाँ पाए जाने वाले 753 कीट की प्रजातियों से है। इनमें से 210 तितलियाँ और पतंगे हैं। इसके अलावा केकड़े, चिंराट और झींगे की 334 प्रजातियाँ भी मौजूद हैं।

समस्या

सुन्दरबन का दलदलीय इलाका मानवीय आवासों के बढ़ते दायरे एवं प्राकृतिक खतरों से जूझ रहा है, जिसके कारण यहाँ स्तनपायी जीवों की संख्या घट रही है। गैंडा, दलदलीय हिरण, भोंकने वाले हिरण, हॉग हिरण और जल में रहने वाला एशियाई जंगली भैंसा अब सुंदरबन में नहीं पाए जाते हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित रूप से अधिक बायबैक की घोषणा के बाद से ही सोने की कीमतें तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयीं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। चांदी भी 69 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। इस तेजी से निवेशकों का ध्यान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन धातुओं की ओर बढ़ा है।

वहीं घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल देखा तेजी रही। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहा था।

एमसीएक्सा पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 320 रुपये की बढ़त के साथ 1,63,202 रुपये के भाव पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,62,882 रुपये था। वर्तमान समय में, यह अनुबंध 254 रुपये की तेजी के साथ 1,63,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार के दौरान ये 1,63,202 रुपये के उच्च स्तर और 1,62,021 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा।

इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव में भी बड़ी तेजी रही। एमसीएक्स पर सितंबर अनुबंध 1,456 रुपये की बड़ी बढ़त साथ 2,45,583 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,44,127 रुपये था। दिन के दौरान इसका उच्चतम स्तर 2,46,180 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,45,430 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने चांदी के वायदा भाव में सकारात्मक रुख जारी है। सोने का भाव 4,715.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 10.90 डॉलर की तेजी के साथ 4,705.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,694.50 डॉलर प्रति औंस था।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

नई दिल्ली।

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई 'आज भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स कॉल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 183, निफ्टी 126 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी और ऑटो शेयरों के साथ ही आईटी में भी गिरावट रही जिससे भी बाजार धारणा कमजोर हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 183.15 अंक गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.80 नीचे आकर 24,207.75 पर बंद हुआ।

आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला। वहीं, निफ्टी अपने 7.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,341.95 पर खुला। व्यापक बाजार में भी मिश्रित कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई।

निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा।

वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा। आज कोटक

महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही, जबकि भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती घंटों में ही सेंसेक्स 240 अंक बढ़कर 77,900 के स्तर के करीब पहुंच गया जबकि निफ्टी 24,300 अंक ऊपर आया। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के ज्यादातर बाजार भी बढ़त पर रहे।

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्त्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे।रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

इसके बाद खासकर पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दौरान कई बड़ी परियोजनाएं शुरू की गईं जिनके जरिये संपर्क को बढ़ावा मिला। इनमें 'स्वर्णिम चतुर्भुज' परियोजना भी शामिल थी। उस समय के कुछ जानकारों ने इस परियोजना को 16वीं शताब्दी में शेर शाह सूरी द्वारा बनाए गए 'ग्रांड ट्रंक रोड' के बाद अपनी तरह का सबसे बड़ी परियोजना बताया था।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख् समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है। , इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं। इन सकारात्मक घटनाक्रमों ने बाजार में तेल आपूर्ति की कमी के डर को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे निवेशकों का रुख बिकवाली की ओर मुड़ गया है।बुधवार सुबह (भारतीय समयानुसार लगभग 8 बजे), डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 2 डॉलर यानी 2.43 फीसदी गिरकर 80.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

देश में चल रहे कई बड़े प्रोजेक्ट, मजदूरों की कमी से कई काम नहीं हो पा रहे पूरे

कंपनियों को हो रहा घाटा 10 फीसदी घटी कमाई, देरी से बढ़ रही प्रोजेक्ट की लागत,

नई दिल्ली, ।

देश में सड़क, रेलवे, मेट्रो, बिजली और दूसरे बड़े प्रोजेक्ट पर काम जारी है। कंपनियों को नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, लेकिन अब एक नई परेशानी सामने आ रही है। काम तो है, लेकिन उसे पूरा करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे। इसका असर प्रोजेक्ट की रफ्तार से लेकर कंपनियों की कमाई पर पड़ने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में देश की 13 बड़ी लिस्टेड इंफ्रा कंपनियों को मिले नए ऑर्डर पिछले साल के मुकाबले 63 फीसदी बढ़े, लेकिन इसके बावजूद इन कंपनियों की कुल आमदनी पिछले साल के आसपास ही रही और पिछली तिमाही के मुकाबले 10 फीसदी घट गई।

रिपोर्ट के मुताबिक किसी कंपनी को 5,000 या 10,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल जाना और उससे कमाई होना एक बात नहीं है। कंपनी की कमाई तब होती है, जब वह जमीन पर काम करती है। सड़क बनती है, पुल तैयार होता है या रेलवे से जुड़ा काम करती है। इसके लिए मशीनों और इंजीनियरों के साथ बड़ी संख्या में मजदूर चाहिए होते हैं। रिपोर्ट में बताया कि पहली तिमाही में राज्यों के चुनाव के कारण मजदूरों से जुड़ी परेशानी देखने को मिली। इसका असर काम की रफ्तार पर पड़ा यानी कंपनियों के पास ऑर्डर थे, लेकिन मजदूरों की कमी के कारण काम की रफ्तार धीमी रही।

मजदूरों की कमी से कंपनियों के सामने एक और परेशानी खड़ी होती है। जब काम ज्यादा हो और मजदूर कम मिलें तो मजदूरी बढ़ जाती है यानी कंपनी को वही काम कराने के लिए पहले से ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। अगर मजदूर समय पर नहीं मिलते तो प्रोजेक्ट पूरा होने में भी ज्यादा समय लगता है। इसका सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है। हालांकि कंपनियों की कमजोर तिमाही के लिए सिर्फ मजदूरों की कमी जिम्मेदार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी कंपनियों का खर्च बढ़ाया है। इसके साथ मजदूरी की लागत भी बढ़ी है। नतीजा 13 कंपनियों का कामकाजी मुनाफे का मार्जिन पिछले साल के मुकाबले करीब 1.10 फीसदी घटकर 10 फीसदी रह गया। वहीं शुद्ध मुनाफे से जुड़ा मार्जिन करीब 1.30 फीसदी घटकर 4 फीसदी रह गया है।

अगर मजदूरों की परेशानी लंबे समय तक रहती है तो इसका असर आम लोगों तक भी पहुंच सकता है। सड़क, पुल, रेलवे लाइन, मेट्रो या दूसरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में ज्यादा समय लग सकता है। काम लंबा खिंचा तो उसकी लागत भी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि देश के सभी इंफ्रा प्रोजेक्ट मजदूरों की कमी से अटक जाएंगे। अलग-अलग कंपनी, राज्य और प्रोजेक्ट पर इसका असर अलग हो सकता है।

तमिलनाडु में बच्चों को सोने की अंगूठी- दिग्गज ज्वैलर्स सिर्फ एक पैसे में बनाएंगे

योजना में 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी

चेन्नई, ।

तमिलनाडु सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 'थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' योजना शुरू की है, जिसके तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम, 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी। इस विशाल परियोजना को साकार करने के लिए, दो प्रमुख आभूषण कंपनियों, जोयालुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को लाखों अंगूठियां बनाने का ठेका दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये दिग्गज ज्वैलर्स, जो आमतौर पर ग्राहकों से भारी मेकिंग चार्ज वसूलते हैं, थलापति विजय सरकार से प्रति अंगूठी केवल 1 पैसे का सांकेतिक सेवा शुल्क लेने वाले है। मामा की सोने की अंगूठी योजना' नाम से जानी जाने वाली पहल, राज्य में प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को चुनने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। तमिल संस्कृति में नवजात शिशु के आगमन पर मामा द्वारा उपहार देने की परंपरा से प्रेरित यह योजना, मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी के चुनावी वादे का हिस्सा है। विजय सरकार ने योजना के लिए प्रति वर्ष 755.83 करोड़ का भारी-भरकम बजट निर्धारित किया है, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दिखाता है।यह असाधारण 1 पैसे का सेवा शुल्क केवल मेकिंग चार्ज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें निर्माण से लेकर अस्पताल तक अंगूठियों के सुरक्षित परिवहन का बीमा, साथ ही 22 कैरेट सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस हॉलमार्किंग का खर्च शामिल है। सोने की बाजार कीमत का भुगतान विजय सरकार अलग से करेगी।

इस ठेका को पाने के लिए कुल 11 आभूषण कंपनियों ने बोली लगाई थी, लेकिन जोयालुक्कास और कल्याण ज्वैलर्स ने सबसे कम, यानी 1 पैसे प्रति अंगूठी की दर पेश की।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ आज सुबह रुपया 95.40 पर खुला था। कच्चे तेल में आई गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। वहीं गत दिवस रुपया गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा।

बीमा सेक्टर में कमीशन से लेकर बेचने तक के बदल सकते हैं नियम, बदलाव की है तैयारी

बीमा सेक्टर में प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं

नई दिल्ली, ।

लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आईआरडीएआई की नजर अब बीमा कंपनियों के कमीशन, बैंकों के जरिए पॉलिसी बेचने के तरीके और ग्राहकों को सही पॉलिसी देने जैसे मुद्दों पर है। अगर ये बदलाव होते हैं तो इसका असर एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ जैसी कंपनियों पर पड़ सकता है। बीमा सेक्टर की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं।

बता दें वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच नई पॉलिसी की संख्या हर साल औसतन 1.3 फीसदी घटी। वहीं नई पॉलिसी से मिलने वाला प्रीमियम करीब 8.9 फीसदी सालाना बढ़ा। इस दौरान कंपनियों का कमीशन खर्च भी करीब 14.5 फीसदी सालाना बढ़ा है यानी कंपनियों की ग्रोथ ज्यादा ग्राहक जोड़ने के बजाय महंगी पॉलिसी बेचने से आ रही है। वित्त वर्ष 2025 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 60,800 करोड़ रुपए कमीशन दिया। अब इस बात पर चर्चा है कि एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर को मिलने वाले पैसे का तरीका बदला जाए। मतलब कमीशन का कुछ हिस्सा इस बात से जोड़ा जा सकता है कि ग्राहक कितने समय तक पॉलिसी चालू रखता है। इससे सिर्फ पॉलिसी बेचने के बजाय उसे लंबे समय तक जारी रखने पर भी जोर बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 13वें महीने तक औसतन करीब 73.6 फीसदी पॉलिसी जारी रहती हैं। 37वें महीने तक यह आंकड़ा घटकर करीब 58.5 फीसदी रह जाता है यानी बड़ी संख्या में लोग कुछ साल बाद पॉलिसी छोड़ देते हैं। इसकी वजह महंगा प्रीमियम या ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी नहीं मिलना हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों के जरिए बीमा बेचने के नियमों में बदलाव हुआ तो एसबीआई लाइफ पर ज्यादा नजर रहेगी। कंपनी के करीब 60 फीसदी एपीई का स्रोत उसकी पैरेंट बैंक से जुड़ा है।

वहीं एचडीएफसी लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ पहले से ऐसे मॉडल पर काम करती हैं, जहां पैरेंट बैंक दूसरी बीमा कंपनियों की पॉलिसी भी बेच सकता है। शुरुआत में नए नियमों से बीमा कंपनियों की बिक्री पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन लंबे समय में ग्राहकों को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर पॉलिसी मिलने और पॉलिसी बीच में छोड़ने के मामले कम होने से इंडस्ट्री को फायदा हो सकता है। फिलहाल ये बदलाव चर्चा में हैं।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा।

अमेरिका ने 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरु किया तो भारत पर भी पड़ेगी मार

भारत का बासमती चावल निर्यात और व्यापार प्रभावित होने का खतरा, व्यापारी परेशान

नई दिल्ली, ।

ईरान से लड़ाई में कोई निर्णायक नतीजा नहीं मिलने के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने ईरान की अर्थव्यवस्था को घेरने के लिए जो 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है, उसकी मार भारत को झेलनी पड़ सकती है। ईरान के साथ पहले ही घटते भारत के व्यापार में अमेरिका के इस कदम से और भी कमी आ सकती है, साथ ही पश्चिम एशिया में मालभाड़े और कच्चे तेल से जुड़े जोखिम बढ़ सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर अपने 'आर्थिक हमले' का पूरा ब्योरा नहीं दिया लेकिन अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने देशों से तुरंत कदम उठाने को कहा और ईरान के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध की धमकी भी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेसंट ने कहा कि आने वाले दिनों में नए प्रतिबंधों के ऐलान होंगे, जिनकी जद में एक बड़ा वित्तीय संस्थान भी आ सकता है।

भारत हर साल करीब 50-60 लाख टन बासमती चावल का निर्यात करता है, जिसमें करीब 10 लाख टन चावल ईरान भेजता है। वित्त वर्ष 2026 में भारत से ईरान को कुल 1.3 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात हुआ था, जिसमें करीब 60 फीसदी हिस्सा बासमती चावल का था। यहां के बासमती चावल निर्यातकों को डर है कि द्वितीयक प्रतिबंध के कारण ईरान को आपूर्ति और घट सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के प्रमुख चावल निर्यातक ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने और ईरान तक माल पहुंचाने में आ रही दिक्कतों का असर इस साल अप्रैल से ही हमारे बासमती चावल निर्यात पर पड़ रहा है।

आपूर्ति और घटी तो तगड़ी चोट पड़ेगी। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ के अध्यक्ष ने कहा कि असली संकट तो तब शुरू होगा जब प्रतिबंधों के कारण यूएई ईरान को बेचे गए चावल की कीमत चुकाना बंद कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारे ज्यादातर खरीदार यूएई में हैं और अगर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान को हुई आपूर्ति के लिए यूएई के रास्ते होने वाला भुगतान रुका तो समस्या आएगी। कुछ कारोबारियों का मानना है कि ईरान पर प्रतिबंध बार-बार लगते रहे हैं इसलिए निर्यातकों को ईरान तक अपना सामान भेजने के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने होंगे, क्योंकि यह बहुत बड़ा बाजार है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जुलाई में मॉनसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मॉनसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ। सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही।

कोलंबो टेस्ट में छा गए सोनल दिनूषा, जड़ा ऐतिहासिक शतक

बनाया सनत जयसूर्या- महेला जयवर्धने वाला महारिकॉर्ड

श्रीलंका बनाम भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनूषा का शानदार प्रदर्शन जारी है. 25 साल के दिनूषा ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जड़कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. दिनूषा ने इस मुकाबले में 103 रनों की पारी खेली. उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका ने 290 रनों का स्कोर बनाया, हालांकि दिनूषा अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सके, जिसके लिए श्रीलंका को 304 रनों का स्कोर बनाना था. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 503-9 रन बनाकर घोषित की. कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में सोनल दिनूषा ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली. चौथे दिन यानी बुधवार (26 अगस्त) को दिनूषा ने 147 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. यह इस सीरीज में दिनूषा का दूसरा शतक है. इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 100 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 84 रन जड़े थे. अब कोलंबो में शतक के साथ उनका मौजूदा सीरीज में स्कोर 100, 84 और 103 हो गया है.

जयसूर्या और जयवर्द्धने वाले क्लब में एंट्री - सोनल दिनूषा अब भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाजों की खास सूची में शामिल हो गए हैं. इस सूची में सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्द्धने जैसे दिग्गज भी मौजूद हैं. 25 साल के सोनल भारतीय ऑफ स्पनिर सारांश जैन की गेंद पर आउट हुए, उनको केएल राहुल ने आउट किया.

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

- अरविंद डी सिल्वा – 3 बार
- कुमार संगकारा – 3 बार
- सनथ जयसूर्या – 2 बार
- महेला जयवर्धने – 2 बार
- थरंगा परानाविताना – 2 बार
- एंजेलो मैथ्यूज – 2 बार
- सोनल दिनूषा – 2 बार

भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कई शतक

- 2 – एवर्टन वीक्स (वेस्टइंडीज, 1948)
- 2 – गारफील्ड सोबर्स (वेस्टइंडीज, 1958)
- 2 – ज़हीर अब्बास (पाकिस्तान, 1978)
- 2 – दुलीप मेंडिस (श्रीलंका, 1982)
- 2 – रॉबिन स्मिथ (इंग्लैंड, 1990)
- 2 – गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका, 1996)
- 2 – जेसी राइडर (न्यूजीलैंड, 2009)
- 2 – सोनल दिनुषा (श्रीलंका, 2026)

प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर पूरा किया शतक दिनूषा

दिनूषा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. गेंद छोटी और ऑफ स्टंप के बाहर थी, जिस पर उन्होंने शानदार पुल शॉट खेला. गेंद हवा में जरूर गई, लेकिन आसानी से इनफील्ड को पार करते हुए बाउंड्री के बाहर पहुंच गई. शतक पूरा होने के बाद दिनूषा ने बल्ले को चूमा, हेलमेट उतारा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया. खास बात यह रही कि इस सीरीज में उनकी यह एक और लगभग बेदाग पारी रही. दोनों टीमों में देवदत्त पडिक्कल ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन दिनूषा की बल्लेबाजी पर नियंत्रण ने उन्हें इस सीरीज के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है.

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे, स्कोर-229/6: पसिंदु ने 92 रन बनाए; सुथार को दो विकेट, बारिश से मैच बाधित

भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं। चौथे दिन बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। सुथार ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को भी 23 रन पर आउट किया। इससे पहले निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जीत हासिल की

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

बायर्न म्यूनिख ने ड्रिसेन और एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ाया

बर्लिन, एजेंसी । बायर्न म्यूनिख ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसेन और स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर मैक्स एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ा दिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले को बायर्न के सुपरवाइजरी बोर्ड ने मंगलवार को एक बैठक में मंजूरी दी। मंजूरी मिलने के बाद ड्रिसेन और एबरल का 2027 में समाप्त होने वाला कार्यकाल 2 साल बढ़ गया। ड्रिसेन 2013 में

मुख्य वित्तीय अधिकारी के तौर पर बायर्न में शामिल हुए थे और एक साल बाद उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। वह मई 2023 से सीईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। अनुबंध बढ़ाए जाने के बाद ड्रिसेन ने कहा, 'मैं सुपरवाइजरी बोर्ड को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहना चाहते हैं कि एफसी बायर्न शीर्ष क्लब बना रहे जिस पर हम सभी को गर्व है। यही हमें प्रेरित करता है। हमने अभी भी बहुत योजनाएं बनाई हैं। ' 52 साल के एबरल, बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक और आऱबी लीपजिग में प्रबंधन में काम करने के बाद मार्च 2024 में स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर के तौर पर बायर्न लौटे। वह छह साल की उम्र में बायर्न में शामिल हुए, यूथ सिस्टम में आगे बढ़े और बाद में क्लब के लिए अपना पेशेवर डेब्यू किया। एबरल ने कहा, 'जब से मैं यूथ टीमों में था, तब से एफसी बायर्न मेरे दिल के करीब रहा है। सुपरवाइजरी बोर्ड का भरोसा एक कीमती निशानी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। ' सुपरवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन हर्बर्ट हैनर ने कहा कि स्थिरता जरूरी है, स्थिरता ताकत देती है। हमें क्लब को सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार विकसित करने के लिए हमें दोनों की जरूरत है। बायर्न यूरोप के शीर्ष क्लबों में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। हैनर ने कहा, ड्रेसेन, एबरल और मार्केटिंग और सेल्स एग्जीक्यूटिव रूवेन कैस्पर का मैनेजमेंट बोर्ड क्लब को पिच पर और पिच के बाहर आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में था। जुलाई 2024 से बायर्न के मैनेजमेंट बोर्ड में तीन सदस्य हैं। इस स्ट्रक्चर का मकसद समन्वय बनाते हुए जल्दी फैसले लेने में मदद करना है।

विमेंस एशिया कप

पहली बार खेल रही इंडोनेशिया ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है। इंडोनेशिया की महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 2 दिन पहले इंडोनेशिया ने अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने वाली इंडोनेशिया आखिरी टीम है। टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी कप्तान नंदा सकारिनी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि वेलिक के साथ मिलकर बेहतरीन बॉलिंग ग्रुप में शामिल होंगी। टीम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 की स्टार खिलाड़ी वेसिका रत्ना देवी, पुत्री सुवानदेवी और सांग मेयरपिरानी शामिल हैं। देसी वुलंडारी, ली कियाओ और नी काडेक एरियानी भी टीम का हिस्सा हैं। इंडोनेशियाई टीम का क्वालीफिकेशन कैंपेन बहुत अच्छा रहा, वे थाईलैंड से हारने से पहले सेमीफाइनल तक पहुंचीं, और तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में हांगकांग, चीन से हार गईं। टीम ने जून में एसीसी विमेंस प्रीमियर कप के जरिए क्वालीफाई किया था। पूरे इवेंट में टीम के लिए सिर्फ 11 सदस्य खेले थे। सकारिनी क्वालीफाइंग में टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। इंडोनेशिया एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप की अन्य तीन टीमें बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई हैं। एशिया कप कैंपेन में इंडोनेशिया का पहला मैच 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ है, इसके बाद वे 2 सितंबर को श्रीलंका और 4 सितंबर को यूएई का सामना करेंगे। पहली हार टूर्नामेंट में उतरी इंडोनेशिया के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजर रहेगी। महिला एशिया कप के लिए इंडोनेशिया की टीमः नंदा सकारिनी (कप्तान), काडेक विंडा प्रास्तिनी, रहमावती पंगेस्टुटी, वेसिका रत्ना देवी, राडा रानी, ??देसी वुलंडारी, पुत्री सुवांडेवी, किसी सलीसा कासे, सांग मेप्रियानी, नी काडेक एरियानी, डेर्नी बांगी, दारा अगुंग लक्ष्मी, ली कियाओ, मारिया कोराजोन वोम्बाकी, सोफिया वेलिक।

एंटीगुआ ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 30 रन से हराया, जोसुआ जेम्स रहे प्लेयर ऑफ द मैच

एंटीगुआ, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्सल और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के बीच खेला गया। एंटीगुआ ने बारबुडा को 30 रन से हरा दिया। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। एंटीगुआ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 56 रन कप्तान मोईन अली ने बनाए। 37 गेंदों पर खेली गई इस नाबाद पारी में मोईन ने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, करिमा गोरे ने 27 और आमिर जंगू ने 26 रन बनाए। शमार स्प्रिंगर ने नाबाद 19 रन बनाए। बारबाडोस की तरफ से मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

ब्राजील के खिलाफ मैच से पहले विश्वकप खेलने वाली इस टीम से होगा भारत का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय फुटबॉल टीम 26 सितंबर को 2026 फीफा विश्व कप में खेल चुकी पनामा से भिड़ेगी। पनामा फीफा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यह मुकाबला खालिद जमील की टीम के लिए बड़ी चुनौती होने के साथ ब्राजील और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों की तैयारी का अहम मौका होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को ब्राजील के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक और बड़ी चुनौती मिल गई है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि भारत 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में पनामा की मेजबानी करेगा।

हालांकि, मैच किस मैदान पर खेला जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पनामा 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा ले चुका है। ऐसे में ब्राजील से भिड़ने से ठीक पहले भारतीय टीम को एक और विश्व कप टीम के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा।

फीफा रैंकिंग में 44वें नंबर पर है पनामा – पनामा इस समय फीफा की ताजा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यानी वह दुनिया की शीर्ष-50 टीमों में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला इसलिए भी अहम होगा क्योंकि खालिद जमील की टीम को मजबूत अंतरराष्ट्रीय विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारी और स्तर को परखने का मौका मिलेगा।

विश्व कप टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबले

पनामा के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ प्रस्तावित चार मैचों की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 3 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगी। नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मुकाबले खेलने हैं। दोनों टीमें 12 और 15 नवंबर को आमने-सामने होंगी। इस तरह भारतीय टीम को इस अवधि में उन टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिलेगा, जो 2026 विश्व कप का हिस्सा रही हैं।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा

सिडनी, एजेंसी। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए। नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा। साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं होगी, 15 खिलाड़ियों की टीम में तीन 'मार्की' खिलाड़ी होंगे जिनका वेतन अधिक होगा। बीबीएल के बॉस एलिस्टर डॉब्सन ने बताया, 'खिलाड़ियों का बाजार लगातार बदल रहा है और बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल जरूरत के हिसाब से बदलाव करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। क्लबों के पास अलग-अलग खिलाड़ियों की वैल्यू और उनके घरेलू या विदेशी होने के आधार पर अपना आकलन करने की आजादी होना जरूरी है, और आखिरकार बात यही है कि क्लबों को अपनी टीम को लेकर आजादी मिले। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि हमारी लीग में बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी आएंगे क्योंकि वे हर टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

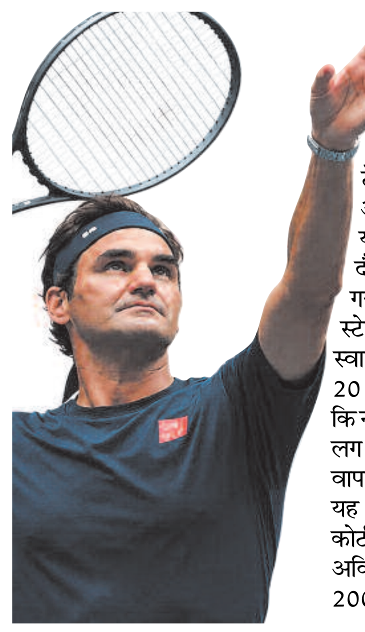

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में – यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार। ' फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था। ' पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'। स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। आंद्रे अगासी ने कहा, 'यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा – मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 20वां गैर-जरूरी (हंसते हुए) था। फिर भी, मैं सच में बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इससे बाकी सभी लोग जो मुश्किल से अंदर जाने का तरीका ढूंढ पाए हैं, अपने बारे में बहुत बेहतर महसूस करते हैं। रॉडिक ने भी फेडरर के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, 'हमने बहुत खेला और उसने मुझे बहुत हराया। लेकिन हम हमेशा अपने करियर के बीच में दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहे और यह अब तक चली है और उम्मीद है कि हमेशा रहेगी। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। आखिरी बार फेडरर ने 2019 में यूएस ओपन खेला था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3990

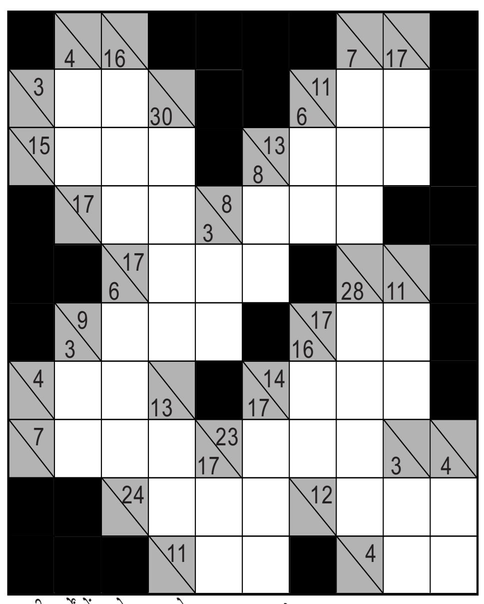

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3989 का हल

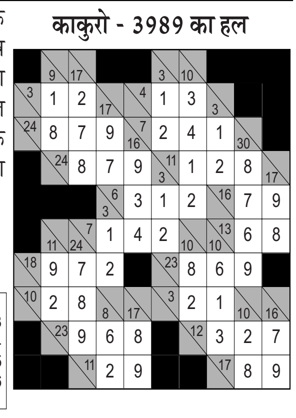

हंसी के फूव्वारें

'तुम रेडियो पर सदा विदेशी स्टेशनों के कार्यक्रम ही क्यों सुनते रहते हो?'

'ताकि हमारे देश की बिजली कम खर्च हो.' दूसरे दोस्त ने बताया.

राजू- 'मेरी घरवाली की आंख में एक तिनका गिर गया था, उसे निकालने के लिए दस रुपये खर्च करने पड़े.'

मित्र बोला, 'मेरी घरवाली की आंख में एक साड़ी अटक गयी थी, उसे निकालने के लिए एक हजार रुपये खर्च करने पड़े.'

'पापा, मैंने आपके दोस्त को सही समय पर स्टेशन पहुंचा ही दिया.'

'लेकिन बेटा, स्टेशन तो बहुत दूर है और टैक्सी, बस, तांगे सबकी हड़ताल है. तुमने उन्हें ठीक समय पर कैसे पहुंचा दिया?'

'जी, वे कुत्ते से बहुत डरते थे, अपना कुत्ता उनके पीछे दौड़ाता रहा और उन्होंने भागकर ट्रेन पकड़ ली.'

एक महिला - 'आपने जो ताबीज पहन रखी है, वह क्या जन्तर-मन्तर है?'

दूसरी महिला हंस पड़ी, 'नहीं, इसमें मेरे आदमी के बाल हैं.'

पहली महिला आश्चर्य चकित होकर पूछा, 'क्या अब वे नहीं रहे?'

'नहीं, वे तो हैं, पर उनके बाल अब नहीं रहे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3990

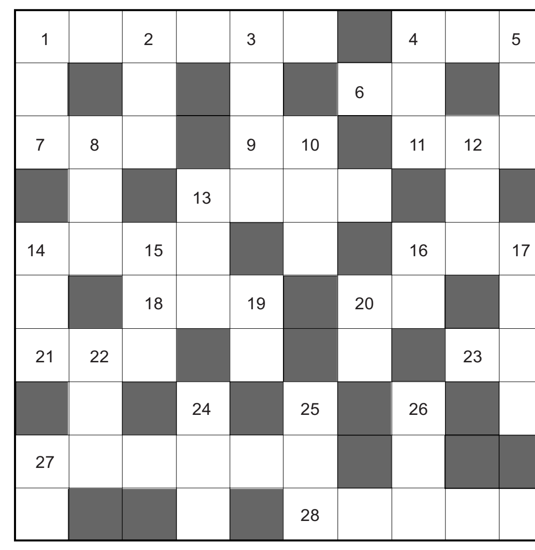

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3989

सूडोकु -3990

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3989 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली -3990

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3989 का हल

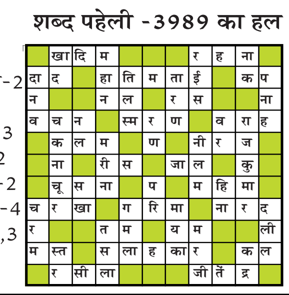

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पत्ते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस-स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

‘धुरंधर 2’ के साथ क्लैश पर यश का बड़ा बयान
‘टॉक्सिक’ के पोस्टपोन पर भी बोले एक्टर

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म ‘टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रणवीर सिंह की ‘धुरंधरः द रिवेंज’ के साथ क्लैश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है।

फिल्म हुई बार-बार पोस्टपोन

फिल्म ‘टॉक्सिक’ पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो ‘आप की अदालत’ में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर खुलकर बात की।

100-200 करोड़ खोने का डर नहीं

यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाएगा। उनके लिए यह फैसला पैसे या अहंकार का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का था। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। एक्टर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर फिल्म को लेकर था। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद करेंगे।

कभी जानबूझकर किसी फिल्म से क्लैश नहीं किया

बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर यश ने यह भी साफ किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी दूसरी फिल्म के साथ अपनी फिल्म का क्लैश नहीं किया। उन्होंने कहा, ‘जो भी क्लैश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लैश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लैश हो जाता है।’ यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। उन्होंने कहा, जिंदगी में मुझे खोने का कुछ है ही नहीं, तो मुझे डर है ही नहीं।’

बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये के नुकसान की बात पर भी यश ने इसे ज्यादा बड़ी चिंता नहीं माना। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल शून्य से की थी। आज उनके पास जो कुछ भी है, वह उनके लिए एक एक्स्ट्रा चीज है। फिल्म ‘टॉक्सिक’ में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टॉक्सिक के किरदार नादिया को कियारा ने बताया मुश्किल

यश की फिल्म ‘टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स’ में कियारा आडवाणी ने नादिया का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपने किरदार से जुड़े अनुभव साझा किए हैं।

कियारा के लिए फिल्म ‘टॉक्सिक’ उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। इस फिल्म में नादिया का किरदार निभाने और उसकी मांग पर कियारा ने काफी कुछ लगा। एक्ट्रेस ने लिखा फिल्में हमें उस दुनिया में ले जाने का एक खूबसूरत तरीका होती हैं जिनमें हम असलियत में नहीं जा सकते। हर नया किरदार, हर नया सेट, हर चुनौती आपको कुछ ऐसा सिखाती है। आपकी क्षमताओं के बारे में बताती है। इस किरदार ने मुझे अपरिचित और मुश्किल चीजों के साथ भी सहज होना सिखाया। नया किरदार आपको नए कौशल, नए रोमांच और उस जुनून के लिए जो आपको बार-बार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे लिए ग्रोथ का मतलब हमेशा उस काम के लिए हामी भरना है जिसे करने से आपको थोड़ा डर लगे। यह किरदार नई स्किल्स, नए एडवेंचर्स और उस जुनून के नाम, जो आपको बार-बार नई चीजों में डूबने के लिए तैयार रखता है।

फिल्म ‘टॉक्सिक’ के वक्त प्रेगनेंट थीं कियारा

फिल्म से जुड़े एक इवेंट में अभिनेता यश ने कियारा की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा, ‘मेरा यह सोचना है कि कियारा एक बेहद पेशेवर अभिनेत्री हैं। जब वह इस फिल्म के लिए कास्ट हुई थीं तो मैं काफी चिंतित था, क्योंकि यह फिल्म काफी चुनौतीपूर्ण है पर कियारा ने जिस तरह फिल्म के लिए खुद को समर्पित किया है। वह देखना बेहद शानदार रहा।

कब रिलीज होगी ‘टॉक्सिक’

फिल्म ‘टॉक्सिक’ में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे ग्लोबली कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है।

पुलकित सम्राट को पहचानना हुआ मुश्किल इस वजह से घटा ढाई किलो वजन

पुलकित सम्राट ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पुलकित इतने बदले हुए नजर आए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। इस स्टोरी के जरिए पुलकित ने फैंस को बताया कि वो इ दिनों बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। जानिए पुलकित ने और क्या कहा?

स्टोरी में क्या बोले पुलकित

एक्टर ने बताया कि वो बीते कुछ दिनों से मलेरिया से पीड़ित हैं। अभिनेता ने बताया कि इस बीमारी की वजह से उनका वजन कम हो गया है। पुलकित ने तस्वीर शेयर कर जानकारी दी कि बीते कुछ दिनों में उनका ढाई किलो वजन कम हो गया। हालांकि, अभिनेता ने पॉजिटिविटी पर बात करते हुए कहा कि वह अपना वजन फिर से बैलेंस कर लेंगे। इसके साथ ही पुलकित ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह बेहद कमजोर नजर आ रहे हैं। कुछ समय पहले इंटरव्यू में पुलकित ने सलमान खान को लेकर जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अपनी पहली फिल्म की रिलीज के वक्त हर नए कलाकार की तरह वह भी घबराए हुए थे, लेकिन तब सलमान खान की बातों ने स्टारडम के प्रति उनका नजरिया बदल दिया था।

पुलकित का वर्कफ्रंट

पुलकित को आखिरी बार नेटफ्लिक्स सीरीज ‘ग्लोरी’ में देखा गया था। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बनी इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में दिव्येंदु और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में थे। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही अच्छे रिव्यू मिले। दूसरी तरफ उनकी आखिरी फिल्म ‘राहु -केतु’ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रोमांच बढ़ाएगी ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’, हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी निमिषा सजयन

सोमवार को अभिनेता बरुन सोबती की अगली फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ की रिलीज डेट मेकर्स ने जारी की। यह एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा पर आधारित है। फिल्म एक हत्या के केस और उसकी तहकीकात से जुड़ी है। इसे ‘पाताल लोक’ के मेकर्स ने ही बनाया है।

क्या है ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ की कहानी?

फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ में मुख्य किरदार बबीता सिंह नाम की एक एसआई का है, जिसके पास एक हत्या का केस आता है। इस दौरान उसका सामना कई रहस्यों और खतरों से होता है। फिल्म की कहानी एसआई के जीवन की मुश्किलों पर बात करती है। इस पूरे सफर में वह खुद की खोज भी करती है। फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ 28 अगस्त से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। एएसआई बबीता सिंह उर्फ बेबी का रोल निमिषा सजयन ने निभाया है। वहीं बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री होने पर शर्मिंदा किया जाता था, अनुपमा ने खोले एक्स के राज

इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन अपने व्यक्तिगत जीवन के लेकर चर्चाओं में हैं। अपने पुराने रिलेशनशिप और उससे जुड़े दर्द के बारे में अब वह खुलकर सामने आ रही हैं। उन्होंने अपने तकलीफ भरे रिश्ते के बारे में काफी कुछ बताया। जानें क्या कहा एक्ट्रेस ने...

बीते कई दिनों से एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने ध्यान वर्मा के यूट्यूब चैनल पर रिश्ते को लेकर कई खुलासा किये हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके पार्टनर ने रिलेशनशिप के दौरान उनका उत्पीड़न किया। अनुपमा ने बताया एक समय मैं ग्यारह बच्चे पैदा करने का सपना देखती थी। मगर इस रिश्ते के बाद अब मैं बच्चे ही नहीं चाहतीं। मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर उपलब्धियों के लेकर कई बार मुझे बहुत बुरा महसूस करवाया। इस रिश्ते ने मेरे निजी जीवन और करियर दोनों में लिए गए मेरे कई फैसलों को प्रभावित किया। मुझे कई बार एक महिला होने और यहां तक कि मेरे एक्टर होने पर भी शर्मिंदा महसूस कराया गया।

अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, ‘ पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन हो, दसवां दिन हो, पंद्रहवां दिन हो, बीसवां दिन हो, पच्चीसवां दिन हो, कोई भी दिन हो। अगर आप किसी व्यक्ति से उसकी गलती के बारे में पूछें, तो वो कहेगा- ‘अरे, आपको पीएमएस हो रहा है, आपका पीरियड अभी आना बाकी है।’ उसके ऐसा कहने पर मुझे बहुत शर्म आती थी। मुझे औरत होने पर बहुत बुरा लगता था। मुझे अपनी सारी उपलब्धियों पर ही बुरा लगने लगा था।’

’परधा’ इंवेंट में रोने की वजह बताई

अगस्त 2025 में अनुपमा डायरेक्टर के साथ अपनी फिल्म ‘परधा’ का प्रमोशन कर रही थीं। प्रेस के साथ सवाल-जवाब के दौरान वह अचानक भावुक हो गईं और रोने लगीं। उनकी टीम ने उन्हें शांत कराया और पानी दिया। जब पत्रकार उनसे बार-बार पूछने लगे कि वह इतनी भावुक क्यों हो रही हैं? तो अनुपमा ने बात को टालते हुए कहा था कि महिला-केंद्रित फिल्म को शूट करना और उसका प्रमोशन करना आसान नहीं था। अब हाल ही में उस घटना को याद करते हुए अनुपमा ने कहा, ‘हालात कितने भी मुश्किल हों पर मैं मैं ऐसी नहीं हूं कि स्टेज पर ही रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।’

एटली ने द ओडिसी को बताया ज़बरदस्त एपिक फिल्म, कहानी, विजुअल्स और संगीत की जमकर तारीफ

फिल्ममेकर एटली ने ‘द ओडिसी’ की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बताया है, जो सामान्य फिल्मों से कहीं आगे जाता है। एटली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए क्रिस्टोफर नोलन की कहानी कहने की शैली, फिल्म के विजुअल्स, सिनेमैटोग्राफी और लुडविग गोरानसन के संगीत की प्रशंसा की है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए एटली ने अपनी पोस्ट में लिखा है, ‘कुछ फिल्में आप देखते हैं। कुछ फिल्मों की आप तारीफ करते हैं। और फिर, बहुत कम ऐसी फिल्में होती हैं जो आपको पूरी तरह किसी दूसरी जगह ले जाती हैं। ‘द ओडिसी’ ने मेरे साथ यही किया।’ उन्होंने नोलन की कहानी को ‘अद्भुत’ बताते हुए यह भी लिखा है कि फिल्म के विजुअल्स अपनी अलग भाषा बोलते हैं और कैमरा भी कहानी सुनाने वाले एक किरदार की तरह महसूस होता है। इसी के साथ लुडविग गोरानसन के संगीत की तारीफ में लिखा है कि यह संगीत सिर्फ फिल्म के साथ चलता नहीं है, बल्कि आपकी धड़कनों में उतर जाता है। एटली ने आगे यह भी लिखा है कि फिल्म में ऐसा एड्रेनालिन और इमर्सिव प्रभाव है, जैसा उन्होंने थिएटर में बहुत कम महसूस किया है। उन्होंने लिखा कि सबसे ज्यादा उनके साथ जो चीज रह गई, वह बेहद व्यक्तिगत थी, जब दर्शक पूरी तरह फिल्म के अनुभव में डूब जाता है, ‘तभी एक सच्ची एपिक फिल्म बनती है। उन्होंने लिखा है, ‘फिल्म को अपने चारों ओर घेरकर, अपने ऊपर हावी होने दें।

संक्षिप्त समाचार

फिजी के मंदिरों में गूंज रहे भजन, सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को गर्व, विदेशी भी ले रहे प्रेरणा

सुवा, एजेंसी। भारत से हजारों किमी दूर प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीप-राष्ट्र फिजी में भारतीय संस्कृति और हिंदू परंपराएं आज भी उतनी ही जीवंत हैं जितनी 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों के साथ वहां पहुंची थीं। श्रावण माह में यहां के मंदिर और सामुदायिक भवन में भक्ति-गीतों से सराबोर रहे। अगस्त में भजन जैमिंग 2026 कार्यक्रम युवाओं के लिए खास उत्साह का केंद्र रहा। यहां के राम मंदिर में अभी से रामलीला की तैयारियां भी की जाने लगी हैं। घरों में रामायण बजती है। सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को बेहद गर्व है और विदेशी भी परंपराओं के पालन की प्रेरणा ले रहे हैं। यहां के प्रमुख अखबार फिजी सन ने के मुताबिक, भजन जैमिंग कार्यक्रम में फिजी स्थित भारतीय-मूल के युवाओं ने पारंपरिक भजनों को समकालीन संगीत अंदाज में पेश किया। कार्यक्रम में बंदिश ग्रुप, सुकून ग्रुप और हनुमान चालीसा परिवार जैसी स्थानीय भजन-मंडलियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पैसिफिक के भारतीय छात्र संगठन ने भी प्रस्तुति दी। फिजी में बॉलीवुड मुख्य रूप से फिल्म शूटिंग, रेडियो शो, कंसर्ट्स और स्थानीय इंडो-फिजीयन समुदाय की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

समृद्ध महासागर का हिस्सा- मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जुड़ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका %क्रिटेशियस रिसर्च% में प्रकाशित हुई है।मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं। इससे प्लवक और छोटी मछलियों का विकास हुआ, जिस कारण यह पूरा क्षेत्र शार्क जैसे बड़े शिकारियों के लिए आदर्श स्थान था।

सूडान में 59 हजार मौतों के बाद अमेरिका सख्त, ह्व से पूरे देश में हथियार बैन की मांग; बढ़ेगा दबाव

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सूडान में जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरब और अफ्रीकी मामलों के वरिष्ठ सलाहकार मासाद बोलोस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधों के जरिए युद्ध में शामिल दोनों पक्षों पर बातचीत के लिए दबाव बढ़ाया जा सकता है। सूडान में चल रही इस लड़ाई में अब तक कम से कम 59 हजार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। देश के कई हिस्से अकाल की चपेट में हैं। बोलोस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि सूडानी सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को मिल रहा वित्तीय, सैन्य और राजनीतिक समर्थन संघर्ष को लंबा खींच रहा है। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन मिस्र सूडान की सेना का खुलकर समर्थन करता रहा है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात पर ह्व विशेषज्ञों और मानवाधिकार संगठनों ने ऋस्न्न को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है। इन आरोपों से इनकार करता रहा है। अमेरिका ने सुरक्षा परिषद के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें सूडान के पूरे क्षेत्र में हथियारों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। मौजूदा प्रतिबंध मुख्य रूप से पश्चिमी दारफुर क्षेत्र तक सीमित है। प्रस्ताव में सूडान में सक्रिय सभी पक्षों पर प्रतिबंध लागू करने और ड्रोन व उनसे जुड़ी तकनीक को भी हथियार प्रतिबंध के दायरे में रखने की बात कही गई है। अमेरिकी प्रस्ताव में सभी देशों से सूडान के युद्धरत पक्षों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सैन्य, वित्तीय और लॉजिस्टिक मदद बंद करने की मांग की गई है। अमेरिका का कहना है कि बाहरी सहायता युद्ध को जारी रखने और शांति प्रयासों को कमजोर करने में भूमिका निभा रही है।

अमेरिका में एआई की वजह से नहीं जाएगी शिक्षकों की नौकरी: शिक्षा मंत्री बोलीं- मशीन नहीं ले सकता इंसान की जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने सोमवार को कहा कि स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाया जाना चाहिए, लेकिन इसके इस्तेमाल के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय और स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ढ्ढ को कभी भी शिक्षकों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मैकमोहन ने कहा कि ढ्ढ अब शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक चाहे जितनी विकसित हो जाए, कक्षा में शिक्षक और छात्रों के बीच मानवीय संवाद की जगह नहीं ले सकती।

एआई को अपनाना जरूरी, लेकिन सुरक्षा उपाय भी हों : मैकमोहन ने कहा कि सरकार ने फिलहाल एआई को रेगुलेट करने के बारे में विस्तार से चर्चा नहीं की है, लेकिन वह शिक्षा के क्षेत्र में इस तकनीक को अपनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि ढ्ढ आ चुका है और स्कूलों को इससे दूरी बनाने के बजाय इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना सीखना होगा। उन्होंने ऑस्टिन, टेक्सास के अल्फा स्कूल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वहां ढ्ढ को वास्तविक कक्षा में काम करते हुए देखा है। उनके मुताबिक, इस तकनीक को अपनाने के साथ कुछ नियम और सुरक्षा सीमाएं तय करना भी जरूरी है, ताकि इसका इस्तेमाल छात्रों के हित में हो।

शिक्षक की जगह नहीं ले सकता एआई : अमेरिकी शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि एआई का इस्तेमाल शिक्षक के विकल्प के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष मानवीय संपर्क बेहद महत्वपूर्ण है। मैकमोहन के मुताबिक, तकनीक बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, लेकिन शिक्षा केवल जानकारी हासिल करने का नाम नहीं है। कक्षा में शिक्षक का मार्गदर्शन, संवाद और बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कमजोर छात्रों से लेकर तेज छात्रों तक : मैकमोहन ने एआई के संभावित फायदों को गिनाते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक व्यक्तिगत ट्यूटर की तरह काम कर सकता है। जो छात्र किसी विषय में पीछे रह गए हैं, वे ढ्ढ की मदद से पाठ दोबारा समझ सकते हैं और अपनी गति से अभ्यास कर सकते हैं। वहीं, जो छात्र अपनी कक्षा के स्तर से आगे हैं, उनके लिए ढ्ढ ज्यादा उन्नत सामग्री और चुनौतीपूर्ण पाठ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इस तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह छात्रों के लिए एक बेहद उपयोगी अवसर साबित हो सकती है।

शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की तैयारी : मैकमोहन ने ट्रंप प्रशासन की शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की योजना पर भी बात की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के पक्ष में हैं और चाहते हैं कि कई जिम्मेदारियां संघीय सरकार से वापस राज्यों को दी जाएं। मैकमोहन के मुताबिक, ट्रंप का मानना है कि दशकों तक भारी खर्च के बावजूद अमेरिकी छात्रों के परीक्षा परिणाम लगातार कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर उनसे कहा था कि देश अपने बच्चों के लिए अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाया है और अब इसमें बड़े बदलाव की जरूरत है।

3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च, फिर भी टेस्ट स्कोर में गिरावट : मैकमोहन ने कहा कि अमेरिकी शिक्षा विभाग 1980 में अस्तित्व में आया और तब से शिक्षा पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद छात्रों के टेस्ट स्कोर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने इसी आधार पर तर्क दिया कि मौजूदा संघीय शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़ी ज्यादा जिम्मेदारियां राज्यों को सौंपने से स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और स्कूलों की जरूरत के मुताबिक नीतियां बनाने में मदद मिल सकती है। मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा विभाग को पूरी तरह खत्म करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। इसलिए प्रशासन फिलहाल यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि विभाग की कुछ जिम्मेदारियां दूसरी संघीय एजेंसियां ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न विभागों के बीच अंतर-एजेंसी समझौते कर रहा है और कुछ कार्यक्रमों तथा जिम्मेदारियों को दूसरी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मैकमोहन के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य कांग्रेस के सामने यह साबित करना है कि शिक्षा से जुड़े कुछ काम शिक्षा विभाग के बाहर भी प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं।

राज्यों को ज्यादा अधिकार देने की तैयारी : मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा को राज्यों के स्तर पर वापस ले जाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका तर्क है कि स्थानीय और राज्य सरकारें अपने छात्रों की जरूरतों को संघीय सरकार की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को मुख्य रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि को आगे पहुंचाने वाली संस्था के रूप में भी वर्णित किया। उनके मुताबिक, विभाग के कई कार्यक्रम ऐसे हैं जो शिक्षा विभाग के गठन से पहले दूसरी संघीय एजेंसियों के माध्यम से संचालित होते थे।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत-पोस्टल बैलेट से मतदान संबंधी आदेश को मिली मंजूरी, मध्यावधि चुनाव पर क्या असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डाक मतपत्र से मतदान को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उनका प्रशासन आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले इसे कितना लागू कर पाएगा। इस निर्णय से अतिरिक्त अदालती चुनौतियों की संभावना बनी हुई है, जो ट्रंप के आदेश को और धीमा कर सकती हैं। अमेरिकी डाक विभाग ने पिछले सप्ताह आदेश को लागू करने की अपनी योजना बताई थी। दरअसल, कुछ राज्यों में कुछ ही हफ्तों में मतदाताओं को डाक मतपत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे बड़े बदलाव लागू करने के लिए समय कम है। ट्रंप लंबे समय से डाक मतपत्र मतदान को धोखाधड़ी का जरिया बताते रहे हैं, हालांकि इसके विपरीत मजबूत सबूत मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं भी इस मतदान पद्धति का उपयोग किया है। न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से मध्यावधि चुनावों से पहले परिवर्तनों को लागू करने की अनुमति देने के लिए एक आपातकालीन अपील दायर की थी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। यह उनके प्रशासन से योग्य मतदाताओं की सूची बनाने और अमेरिकी डाक विभाग को केवल उन सूचियों में शामिल लोगों को डाक मतपत्र वितरित करने का आदेश देता है।

आदेश को चुनौती और अदालती निर्णय : 23 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने इस आदेश को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान राज्यों और कांग्रेस को चुनाव कराने की शक्ति देता है। ट्रंप के बदलावों से अराजकता और पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग हो सकता है। राज्यों के वकीलों ने लिखा, इस गिरावट के चुनावों के इतने करीब ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को प्रभावी होने के परिणाम अत्यधिक होंगे।% मैसाचुसेट्स में एक न्यायाधीश ने उन राज्यों में मध्यावधि चुनावों के लिए योजना को रोक दिया था। एक अपील अदालत ने उनके फैसले को बरकरार रखा। बाद में उन्होंने इसे देशव्यापी रूप से रोकने का दूसरा आदेश दिया। ट्रंप प्रशासन ने जुलाई के अंत में प्रक्रियात्मक आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अपील की। उन्होंने तर्क दिया कि राज्यों ने बहुत जल्दी मुकदमा दायर किया था। उन्होंने वाशिंगटन से आए एक अन्य फैसले का भी हवाला दिया, जहां एक न्यायाधीश ने ट्रंप के आदेश को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी।

ईरान में युद्ध और महंगाई के बीच युवाओं का सुकून भी छिना, दर्जनों कैफे सील, क्या चाहती है हुकूमत

लैली निकूनाजार/येगाने तोरबाती, तेहरान, एजेंसी। युद्ध के साये, आसमान छूती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों के बीच ईरान की युवा पीढ़ी के पास सामान्य जिंदगी जीने का सिर्फ एक ही सस्ता जरिया बचा था-शाम के वक्त दोस्तों के साथ किसी कॉफी शॉप में बैठकर थोड़ा वक्त सुकून से काटना। लेकिन फुटपाथ में कुर्सियों पर पसरे युवा, सिगरेट का धुआं, बेपरवाह गपशप और कभी-कभार छिपाकर बीयर पीने (जिसकी सजा देश में कोड़े हैं), वाले ये दृश्य कट्टरपंथी हुकूमत को खामोश बगावत नजर आने लगे। नतीजा, पुलिस-प्रशासन कैफे बंद कराने लगा।

राजधानी तेहरान समेत देश के कई शहरों में हाल में दर्जनों कैफे, रेस्टोरेंट और बुटीक सील किए?गए?हैं। वैसे तो वजह यही बताई गई कि अनिवार्य हिजाब कानून और इस्लामी मूल्यों की अनदेखी हो रही है। लेकिन तेहरान के कैफे मालिक आमिर का कहना है कि यह हुकूमत की बेचैनी और युद्ध से थके समाज को नियंत्रित करने की कोशिश है। आमिर कहते हैं, हम खुद को यही तसल्ली देते हैं कि यह सिर्फ एक लहर है। ईरान के कॉफी शॉप कल्चर पर किताब लिखने वाली हालेह मीर मीरी के अनुसार, इसमें युवा जिंदगी जीने के वैकल्पिक रास्ते तलाशते हैं। तेहरान की आर्टिस्ट मोना कहती हैं, कैफे छोटे होने से लोग फुटपाथ पर खड़े होकर बातें करने लगते हैं। पुलिस को लगता है कि यह प्रदर्शन की तैयारी है। ईरान में कैफे के आसपास इस तरह युवाओं की भीड़ जुटने को सरकार संभावित प्रदर्शन से जोड़कर देख रही है। यही नहीं, सार्वजनिक जगह पर हावी होने की कोशिश में भी सरकार कड़े कदम उठा रही है। क्योंकि युद्ध की अनिश्चितता के बीच हुकूमत अपने समर्थन में रैलियां निकाल रही है। ऐसे माहौल में कैफे का यह आजाद माहौल सरकारी नैरेटिव को सीधी चुनौती देता है। ईरान में इन दिनों एक पुराना सामाजिक और सांस्कृतिक टकराव फिर से भड़क उठा है। ईरान की राजधानी तेहरान और ऐतिहासिक शहर शिराज की सड़कों पर आजकल एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।

ट्रंप का बड़ा खुलासा- दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग, व्हाइट हाउस में बन रहा 'चीन जैसा' ग्रेट हॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के 'ग्रेट हॉल' से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट को भी वर्षों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित 'बैक-टू-स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ होने वाली बातचीत की तारीख, कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य

जानकारियां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा,राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का 'ग्रेट हॉल' देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना 'ग्रेट हॉल' होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।÷

ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे हैं, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया। ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे। ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए। उन्होंने निर्माण स्थल से आने वाली आवाजों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें निर्माण कार्य की आवाज पसंद है। ट्रंप ने कहा, मुझे निर्माण कार्य की आवाज बहुत पसंद है। जब मैं बाहर वह शोर-शराबा सुनता हूं।

चीन में भारतीय फैशन का जलवा, कुर्ते से साड़ी तक का बढ़ा क्रेज; क्यों पसंद आ रहा देसी अंदाज

शंघाई/बीजिंग, एजेंसी। पश्चिमी देशों और रूस में भारतीय एथनिक फैशन की पहचान बनने के बाद अब चीन जैसे पड़ोसी देश में भी भारतीय पहनावे का नया क्रेज देखा जा रहा है। बीजिंग से शंघाई तक चीनी युवा सलवार-कुर्ती और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं तो महिलाओं को भी साड़ी में देखा जा रहा है। लोग पलिनन के लंबे-छोटे कुर्तों को डेनिम जींस, ट्राउजर और वाइट स्नीकर्स के साथ पेयर करके मिनिमलिस्टिक लुक अपना रहे हैं। चीन के उमस भरे मौसम में सांस लेने योग्य भारतीय कॉटन, खादी और चंदेरी फैब्रिक की भारी मांग है। श्याओहांगशू (रेड बुक) ट्रेंड्स डाटा के मुताबिक, शंघाई के प्रसिद्ध अंफु रोड और उहांग रोड जैसे स्ट्रीट-फैशन हब्स पर कुर्ता-डेनिम लुक छाया हुआ है। शैनक्सी

साउथ रोड के मल्टी-ब्रांड बुटीक में भी भारतीय फैब्रिक हावी है। वहीं, बीजिंग के सानलीतुन स्ट्रीट जोन और ताइगू ली एवेन्यू पर युवा कुर्तों को डेनिम व स्नीकर्स के साथ स्टाइल कर रहे हैं। चीनी अखबार चायना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन शो और बीटूबी मीट्स में लेबलहुड की संस्थापक ताशा लियू ने इस फ्यूजन ट्रेंड को बढ़ावा दिया, जिसके बाद ताओबाओ और श्याओहांगशू के सेलर नेटवर्क ने भारी मात्रा में बल्क ऑर्डर्स प्रोसेस किए हैं।

फैशन शो और बीटूबी मीट्स के दौरान चीनी रिटेलर्स ने भारतीय टेक्सटाइल और फ्यूजन वियर के लिए 12 लाख डॉलर (10 करोड़ रुपये) के शुरुआती सप्लाई ऑर्डर्स दिए हैं, जो बहुत बड़ी रकम है। 6 माह के दौरान चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स (ताओबाओ व टीमाल) पर इंडियन स्टाइल एथनिक कुर्ती और मसाला चाय मिक्स की बिक्री 45त्न तक बढ़ गई है।

चीन के मेट्रो शहरों (शंघाई, बीजिंग और चेंगदू) में इन दिनों भारतीय लाइफस्टाइल और एथनिक फैशन का एक अनोखा उभार देखने को मिल रहा है। चीन के सबसे बड़े लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म श्याओहांगशू पर भारतीय पहनावे, इंडो-फ्यूजन स्टाइलिंग और आयुर्वेदिक हर्बल प्रोडक्ट्स के ट्रेंड्स की बाढ़ आ गई है। खास तौर पर साड़ियों का भी चलन खूब देखने को मिल रहा है।

रेड कार्पेट और फैशन शो में लंबी कतारें = शंघाई के अंतरराष्ट्रीय फैशन कॉरिडोर में ईस्ट-मीट्स-वेस्ट फ्यूजन शो और बीजिंग कल्चरल एक्सपो हुआ, जिसमें भारतीय एथनिक व इंडो-वेस्टर्न डिजाइनों का प्रदर्शन हुआ। चीनी फैशन इन्फ्लुएंसर ली जियाओयान शंघाई की प्रसिद्ध स्टाइलिस्ट चेन वेई ने भारतीय चंदेरी, बनारसी और ब्लॉक-प्रिंट सिल्क के साथ आधुनिक कट-आउट्स का प्रयोग कर रेड कार्पेट पर धूम मचाई। इस 3 दिनी शो में 15,000 से अधिक दर्शक व खरीदार मौजूद रहे।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो पर सख्ती; टिकटॉक समेत इन प्लेटफॉर्म को सरकार की चेतावनी, क्या कहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को टिकटॉक और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से कहा कि वे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वाले वीडियो हटाएं। सरकार ने इन वीडियो को वायरल होने से रोकने को कहा है। यह कदम एक सड़क हादसे में दो पुलिस अधिकारियों और पांच युवकों की मौत के बाद उठाया गया है। हादसे के समय एक कार सड़क की गलत दिशा में जा रही थी। शनिवार को अधिकारी मैथ्यू ब्लेड्स और टॉम क्लॉ की मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में एक वोक्सवैगन कार सड़क पर गलत दिशा में जा रही थी। इसी दौरान वह पुलिस अधिकारियों की गाड़ी से टकरा गई। कार में सवार पांच लोगों की भी मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन लड़के थे। उनकी उम्र 17 और 18 साल थी। दो अन्य पुरुष थे। दोनों की उम्र 23 साल थी।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो क्यों चिंता बढ़ा रहे हैं : यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब सोशल मीडिया में उन वायरल वीडियो को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनमें लोग खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो खुद गाड़ी चलाने वाले लोग पोस्ट करते हैं। कई बार गाड़ी में बैठे दूसरे लोग भी इन्हें सोशल मीडिया पर डालते हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के मुताबिक, शनिवार को वोक्सवैगन कार में मारे गए लोगों में से एक ने पहले भी ऐसा वीडियो पोस्ट किया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा कि सरकार ने टिकटॉक और ऐसी दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसे खराब कंटेंट को हटाने और अपनी कार्रवाई तेज करने को कहा है। उन्होंने बीबीसी से कहा, हमने उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बात की है, जहां सड़कों पर इस तरह के खतरनाक व्यवहार का जश्न मनाने वाला कंटेंट डाला जा रहा है। हमने उनसे ऐसा कंटेंट हटाने को कहा है।

पोलार्ड ने आगे कहा, इन कंपनियों ने कुछ नियमों का विरोध करते हुए कहा था कि वे खुद अपने प्लेटफॉर्म की निगरानी कर सकती हैं। अब यह दिखाने का सही मौका है कि वे ऐसा कर सकती हैं। सड़कों पर खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा देने वाला कंटेंट हटाया जाए।

प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के कार्यालय ने कहा कि वीडियो और मनोरंजन के लिए खतरनाक ड्राइविंग को बढ़ावा देना बेहद शर्मनाक है। कार्यालय ने कहा कि जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन के मीडिया नियामक को सरकार का पूरा समर्थन है। टिकटॉक ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसकी नीतियों के तहत ऐसे कंटेंट पर सख्त रोक है, जिससे किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक नुकसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि जिस कार से यह जानलेवा हादसा हुआ, उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी। इसका इस्तेमाल पुलिस से बचने के लिए किया गया था। पुलिस ने कहा कि हादसे से पहले संदिग्ध आपराधिक गतिविधियों के मामले में सोमवार को 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हथियार रखने का मामला भी शामिल है। एक अलग मामले में, आयरलैंड के काउंटी किल्डेयर में पिछले हफ्ते चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। उनकी कार को राजमार्ग पर गलत दिशा में जा रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला; सख्ती पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्राइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।

होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं : विस्कॉन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वॉशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़ : हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में

अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा : हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वॉशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य : हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीत के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वॉशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियार को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट से ईरान की वित्तीय घेराबंदी : अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू करने की घोषणा की। उनके मुताबिक, इस अभियान का लक्ष्य दुनियाभर में ईरान के वित्तीय संपर्कों को तोड़ना और उन सभी आय स्रोतों पर कार्रवाई करना है जो ईरानी सरकार तथा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आर्थिक मदद पहुंचाते हैं। अमेरिका ने इस अभियान के तहत करीब 60 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंधों का नया दौर शुरू किया है। इनमें ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम तथा पेट्रोकेमिकल कारोबार से कथित रूप से जुड़े लोग और संस्थाएं शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)